दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K & K RNI No.61546/95

# क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-151 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 24 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

# शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष, संसद परिसर में प्रदर्शन

## - राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने मिलकर सरकार को घेरा

नई दिल्ली,(ए.)। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को संसद परिसर स्थित मकर द्वार पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी दलों के कई सांसद शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकता केवल खातों में राशि भेजने तक सीमित दिखाई देती है, जबकि युवाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों पर अपेक्षित जवाबदेही नहीं दिख रही है।

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि लगातार तीसरे दिन दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों को बंद रखा गया और छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि संसद के भीतर और बाहर विपक्ष की एक ही मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उनका कहना था कि इस्तीफे के बाद ही इस मुद्दे पर सार्थक चर्चा संभव है।

महुआ मोइत्रा ने सरकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहले प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों और कथित बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक प्रकरण की नैतिक जिम्मेदारी से बच रही है, जबकि युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। प्रदर्शन के दौरान इंडिया गठबंधन ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई।

### मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक का अनशन 26वें दिन भी जारी, हालत स्थिर

गुरुग्राम, (ए.)। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती रहने के बावजूद अनशन गुरुवार को 26वें दिन भी जारी रहा। अस्पताल की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर है और सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानक सामान्य हैं।गुरुवार शाम को अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. संजय दुरानी की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया कि सोनम की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। वह स्टेबल और अलर्ट हैं। पूरी तरह से होश में हैं। उनके सभी वाइटल पैरामीटर सामान्य सीमा में हैं। वांगचुक का इलाज उनकी सूचित सहमति के अनुसार जारी है।उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक को 21 जुलाई की शाम हाईकोर्ट के आदेश पर मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। अस्पताल में उनकी सुरक्षा के लिए श्री-लेयर सिक्योरिटी के इंतजाम किए गए हैं और करीब 600 जवान तैनात हैं।

# यह पेपर लीक नहीं, सिस्टम का लीकेज है', नारों से गूंजा नीलम पार्क

भोपाल (आरएनएस)। गुरुवार को राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में प्रदेशभर के छात्र-युवा एकजुट हुए। मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट के बैनर तले आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शन में मध्य प्रदेश के करीब 20 जिलों से छात्र, युवा और नर्सिंग स्टूडेंट्स शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार, ठेका प्रथा और नर्सिंग छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान युवाओं के हाथों में तख्तियां और पोस्टर नजर आए। सबसे अधिक चर्चा उस पोस्टर की रही, जिस पर लिखा था—यह पेपर लीक नहीं, सिस्टम का लीकेज है। कई छात्र सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तस्वीरें लेकर पहुंचे और उनके आंदोलन के समर्थन में नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारी चंद्रशेखर आजाद की तस्वीरें भी साथ लाए। युवाओं ने नारे लगाए—मन की बात तो करते हैं, मगर सरकार हमारी बात क्यों नहीं सुनती? मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट के मध्य प्रदेश संयोजक प्रमोद नामदेव ने कहा कि NEET परीक्षा में पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ जिस तरह की पुलिस कार्रवाई हुई, उससे देशभर के छात्र-युवाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद मार्च के दौरान पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। इसकी न्यायिक जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

## गांधी स्मृति पहुंचे राहुल, इंडी गठबंधन ने नीट पीड़ित छात्रों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन के सांसदों और नेताओं ने गुरुवार को यहां गांधी स्मृति पहुंचकर नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक प्रकरण के बाद जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष छात्रों के साथ खड़ा है और न्याय तथा जवाबदेही की उनकी लड़ाई में उनका समर्थन करता रहेगा। राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सहित इंडिया गठबंधन के कई सांसद और नेता एक बस से गांधी स्मृति पहुंचे। बस के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। विपक्षी नेताओं ने तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उसके बाद नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में जान गंवाने वाले छात्रों को भी श्रद्धांजलि दी।

## राम मंदिर पर राजनीति बंद हो, राम मंदिर ट्रस्ट विहिप और संघ के साथ : संत समाज

अयोध्या (ए.)। श्री राम जन्मभूमि में चढ़ावा राशि की गणना प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बाद अयोध्या धाम संत मंडल के तत्वावधान में गुरुवार को संत समाज की एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी हुई। इस संगोष्ठी में संतों ने एक सुर में कहा कि राम मंदिर पर राजनीति बंद होनी चाहिए। सम्पूर्ण संत समाज श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, विहिप और संघ के साथ खड़ा है। संतों ने रामभक्तों से अपील किया कि किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है, यह उन्हीं को चिंता है जो न्यायालय में कहते थे कि श्रीराम काल्पनिक हैं। इस संगोष्ठी का आयोजन श्री राम सत्संग भवन, धर्म मंडपम् में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मंदिर की धार्मिक समिति के सदस्य श्री मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

# 'हम नड्डा के दफ्तर नहीं जाएंगे, वो जंतर-मंतर आएं', बातचीत के लिए CJP ने रखी शर्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और केंद्र सरकार के बीच बातचीत को लेकर फिलहाल सहमति नहीं बन सकी है। सरकार जहां लगातार आंदोलनकारियों से वार्ता के लिए आगे आने की अपील कर रही है, वहीं CJP ने स्पष्ट कर दिया है कि बातचीत उनकी शर्तों पर ही होगी। इसी बीच संगठन ने शुक्रवार को देशव्यापी प्रदर्शन करने का भी ऐलान किया है।

CJP के प्रमुख नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आवास या मंत्रालय में किसी भी तरह की बैठक स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में समाधान चाहती है तो बातचीत जंतर-मंतर या दोनों पक्षों की सहमति से तय किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित की जाए। रांका ने अपने बयान में कहा कि केवल औपचारिक बैठकें या आश्वासन अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उनका कहना है कि सरकार को बातचीत के दौरान आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों पर स्पष्ट रुख अपनाना होगा। यदि सभी मांगें तुरंत पूरी नहीं की जा सकतीं, तो उन्हें पूरा करने की समय-सीमा सार्वजनिक रूप से बताई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल बातचीत के नाम पर समय बिताने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी थी कि सरकार की ओर से CJP प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए अब तक चार औपचारिक प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों और युवाओं के साथ हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पूरी तरह तैयार है और आंदोलनकारी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय वार्ता में शामिल हो सकते हैं।

**नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक, परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान प्लेकार्ड लिए हुए हैं और नारे लगा रहे हैं।**

## भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में भारी बरसात का अलर्ट, अगले पांच दिनों तक जारी रहेगा बारिश का दौर

भोपाल, (ए.)। प्रदेश में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार वर्षा के कारण मौसम काफी सुहाना हो गया है। गुरुवार शाम तक टीकमगढ़ में 38 मिलीमीटर और ग्वालियर में 32.5 मिलीमीटर वर्षा के साथ सबसे अधिक पानी गिरा।राजधानी भोपाल में दिनभर काले बादल छाए रहे, यहां हल्की बूंदाबांदी हुई। सिटी में 0.8 मिलीमीटर और संत हिरदाराम नगर में 1.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम केंद्र ने शुक्रवार को भी प्रदेश भर में कहीं हल्की तो कहीं तेज वर्षा की संभावना जताई है।

**अगले 5 दिनों तक जारी रहेगा वर्षा का दौर**

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार वर्तमान में तीन मजबूत मौसम प्रणाली सक्रिय हैं। मानसूनी द्रोणिका यह गुना और दमोह से होकर गुजर रही है। पूर्व-पश्चिम शियर जोन मध्य प्रदेश के मध्य से होकर गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर हवा का चक्रवात बना हुआ है।इन तीनों सिस्टम के प्रभाव से अगले पांच दिनों तक पूरे प्रदेश में वर्षा का यह दौर ऐसे ही जारी रहेगा। वर्षा के कारण दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है।

**सामान्य से 10 प्रतिशत कम हुई है अब तक वर्षा**

प्रदेश में एक जून से 23 जुलाई तक की स्थिति देखें तो कुल वर्षा सामान्य दीर्घावधि औसत से 10 प्रतिशत कम रही है। इसमें पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 13 प्रतिशत और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 6 प्रतिशत कम पानी गिरा है।

## सीजेपी ने आज देशव्यापी शांतिपूर्ण विरोध का किया आह्वान

नई दिल्ली, (ए.)। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सभी से शुक्रवार को देश के हर जिले में एक दिन के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इसका मुख्य उद्देश्य हर जिला, एक दिन, एक मांग के संदेश के तहत पूरे देश में एकजुटता प्रदर्शित करना है।सीजेपी के मुताबिक, यह प्रदर्शन देशभर में कथित पुलिस बर्बरता के शिकार पीड़ितों के समर्थन में होगा। आयोजकों ने देश के विभिन्न छात्र संघों और अन्य सामाजिक संगठनों से इस प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए मिलकर काम करने, आवश्यक अनुमतियां लेने और लॉजिस्टिक्स जुटाने की अपील की है। इस दौरान, विरोध स्थल पर एकत्र भीड़ के सामने छात्रों की मांगों को प्रमुखता से पढ़ा जाएगा। पुलिस कार्रवाई और बर्बरता का सामना करने वाले लोगों के प्रति समर्थन और एकजुटता जताई जाएगी। उल्लेखनीय है कि छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रही सीजेपी ने संसद चलो मार्च की घोषणा की थी जिसके बाद 20 जुलाई को हजारों की संख्या में एकजुट हुए छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन जताया था। वे शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं और पेपर लीक मामले को लेकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

## सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

**- सावन में कथित शिवलिंग की पूजा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित**

नई दिल्ली,(ए.)। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। न्यायालय में पेश याचिका में हिंदू पक्ष ने मांग की है कि सावन के पवित्र महीने में ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद क्षेत्र में स्थित कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति दी जाए। ऐसे में अदालत ने उचित समय नहीं होने का हवाला देते हुए सुनवाई को दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। गौरतलब है कि 15 मई 2022 को एडवोकेट कमिश्नर की निगरानी में हुए सर्वेक्षण के दौरान परिसर में एक संरचना मिलने का दावा किया गया था।

## राजा रघुवंशी हत्याकांड: सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द की, तीन हफ्ते में सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी सोनम रघुवंशी को बड़ा झटका देते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि सोनम रघुवंशी तीन सप्ताह के भीतर संबंधित पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि छह महीने के भीतर मुकदमे की सुनवाई पूरी नहीं होती है, तो वह दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती हैं।

# विश्व कप के रण में मध्यप्रदेश का गौरव : नर्मदापुरम के खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का भारतीय हॉकी विश्व कप टीम में चयन

**कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दी हार्दिक बधाई**

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के इटारसी विकासखंड के ग्राम शिवपुर चंदौना के प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 के लिए घोषित भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम एवं नीदरलैंड में आयोजित होगी, जिसमें भारतीय टीम विश्व विजेता बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर नर्मदापुरम के कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विवेक सागर प्रसाद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पूरे नर्मदापुरम जिले और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विवेक अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से देश, प्रदेश और जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक गौरवान्वित करेंगे तथा प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। विवेक सागर प्रसाद का चयन उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। वे लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं और अब विश्व हॉकी के सबसे प्रतिष्ठित मंच पर एक बार फिर तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की मौजूदगी टीम को मजबूती प्रदान करेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम को अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलित मिश्रण बताते हुए विश्व कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन का विश्वास व्यक्त किया है।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को जन्मजयंती पर किया नमन

## चंद्रशेखर उद्यान से निकाली आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली, आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर पहुंचे। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर उनकी पावन जन्मजयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का त्याग, अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्श नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान और देशभक्ति का संदेश देते रहेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चंद्रशेखर उद्यान से आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा का शुभारंभ किया। मशाल यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा आजाद कुटिया (आजाद स्मृति मंदिर) तक पहुंची, जहां मुख्यमंत्री ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

**अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का जीवन राष्ट्रभक्ति का उदाहरण**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद स्मृति मंदिर में प्रदर्शित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन वृत्तांत का अवलोकन किया। उन्होंने उनके जन्म, बाल्यकाल, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा राष्ट्र के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी का अवलोकन करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद का संपूर्ण जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श सदैव देशवासियों, विशेषकर युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने वहां प्रदर्शित आज़ाद कथा का भी अवलोकन किया। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, क्रांतिकारी गतिविधियों, काकोरी कांड, सांडर्स वध, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी में उनके नेतृत्व तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की गौरवगाथा को श्रद्धापूर्वक देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद कुटिया में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और महान क्रांतिकारियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मजयंती एवं बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही।

# अधिकारी टीम मध्यप्रदेश के रूप में योजनाओं और निर्णयों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट भूमिका निभाएं : मुख्य सचिव श्री बर्णवाल



भोपाल (आरएनएस)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे टीम मध्यप्रदेश के रूप में शासन की योजनाओं-कार्यक्रमों और निर्णयों के क्रियान्वयन में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाएं। निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए सभी अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया। मंत्रालय में संपन्न हुए एक सादे समारोह में विभाग अध्यक्षों ने नवनियुक्त मुख्य सचिव श्री बर्णवाल का स्वागत किया और निवर्तमान मुख्य सचिव श्री जैन को भाव भीनी विदाई दी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, पी.सी.सी.एफ शुभरंजन सेन सहित वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में अधिकारियों ने श्री बर्णवाल और श्री जैन को शाल श्रीफल और स्मृति चिंह भेंट कर सम्मानित किया। डीजीपी श्री मकवाना ने कहा कि निवर्तमान सी.एस श्री जैन ने नक्सलमुक्त मध्यप्रदेश सहित विभिन्न ऐतिहासिक अभियानों को पूर्ण करने में पुलिस विभाग को असीमित सहयोग दिया है। अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने ई-ऑफिस, ई-केबीनेट को प्रदेश में लागू करने के लिए निवर्तमान सी.एस श्री जैन की सराहना की। सभी अधिकारियों ने लगभग 15 वर्षों से रूकी पदोन्नति के प्रारंभ होने का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ निवर्तमान मुख्य सचिव श्री जैन को भी दिया। देश में मप्र की रैंकिंग अग्रणी बनाने के लिए श्री जैन की अधिकारियों ने सराहना की। अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी, संजय दुबे और शिवशेखर शुक्ला ने भी उद्बोधन दिया।

### भोपाल में चरित्र शंका में पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला, रातभर शव के पास बैठकर रोता रहा पति

भोपाल (ए.)। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित शांति नगर झुग्गी में चरित्र शंका के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी रातभर पत्नी के शव के पास बैठा रोता रहा। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने घर के भीतर महिला का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गुरुवार को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। हबीबगंज थाना पुलिस के अनुसार मृतका 45 वर्षीय लता बाई मूल रूप से बैतूल जिले की रहने वाली थी। करीब छह वर्ष पहले उसकी दूसरी शादी शांति नगर झुग्गी निवासी 47 वर्षीय रामप्रसाद उर्फ बब्लू से हुई थी, जो मजदूरी करता है। लता बाई के पहले पति की मौत हो चुकी थी। उसका इकलौता बेटा इटारसी में रहता है।

# बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु ने दिया इस्तीफा

### नए कुलगुरु की नियुक्ति तक अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन को सौंपी अतिरिक्त जिम्मेदारी



भोपाल (आरएनएस)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलगुरु प्रो. विवेक शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की ओर से गुरुवार (23 जुलाई) को जारी आदेश के अनुसार उनका त्याग पत्र तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में नए कुलगुरु की नियुक्ति होने तक अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन को कुलगुरु का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।राजभवन से जारी आदेश के मुताबिक प्रो. विवेक शर्मा ने 22 जुलाई 2026 को अपना त्याग पत्र प्रस्तुत किया था। कुलाधिपति ने इसे स्वीकार करते हुए पूर्व में जारी उनके कार्यभार संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया है।आदेश में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में नियमित कुलगुरु की नियुक्ति होने तक अपर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग अनुपम राजन अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु का कार्यभार भी संभालेंगे। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी।प्रो. विवेक शर्मा का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार।22 जुलाई को सौंपा था त्याग पत्र।नए कुलगुरु की नियुक्ति तक अनुपम राजन को अतिरिक्त प्रभार।राजभवन ने 23 जुलाई को जारी किया आदेश। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक कामकाज की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से यह अंतरिम व्यवस्था की गई है। हालांकि, प्रो. विवेक शर्मा के इस्तीफे के कारणों का उल्लेख आदेश में नहीं किया गया है।

# महिला एशियन चैंपियनशिप की तैयारियों को लेकर मंत्री श्री सारंग नाथुबरखेड़ा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का किया निरीक्षण



### एथलेटिक्स, हॉकी और फुटबॉल की गतिविधियां होंगी प्रारंभ : मंत्री श्री सारंग

भोपाल (ए.)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नाथुबरखेड़ा स्थित निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों एवं प्रस्तावित महिला एशियन चैंपियनशिप की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ परिसर का विस्तृत भ्रमण कर खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नाथुबरखेड़ा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के फेस-1 का लोकार्पण शीघ्र किया जाएगा। फेस-1 के प्रारंभ होने के साथ ही यहां एथलेटिक्स, हॉकी एवं फुटबॉल की खेल गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी। इन खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किए गए मैदान एवं अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदेश के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का अवसर उपलब्ध कराएंगी। मंत्री श्री सांरग ने कहा कि सरकार का उद्देश्य मध्यप्रदेश में ऐसी खेल अधोसंरचना विकसित करना है, जहां प्रदेश के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हों। यह परिसर भविष्य में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और बड़े खेल आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी खेल राज्यों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### मप्र के मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की भारी कमी

भोपाल (ए)। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और शिक्षकों के बड़ी संख्या में खाली पद चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती बन गए हैं। डॉक्टरों की कमी का असर केवल मेडिकल छात्रों की पढ़ाई पर ही नहीं पड़ रहा, बल्कि मरीजों को समय पर विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने में भी मुश्किलें आ रही हैं।

प्रदेश के चार प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेजों के आंकड़े बताते हैं कि सबसे अधिक रिक्तियां नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में हैं। यहां स्वीकृत 342 पदों में से 91 पद (करीब 26 प्रतिशत) खाली हैं। इसके बाद गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी), ग्वालियर में लगभग 22 प्रतिशत पद रिक्त हैं।

# पंच-ज अभियान के अंतर्गत स्कूल ऑफ लॉ, सेज यूनिवर्सिटी में वृक्षारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल द्वारा सचिव सुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में पंच-ज अभियान के अंतर्गत स्कूल ऑफ लॉ, सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल में वृक्षारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल, जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जीलानी, स्कूल ऑफ लॉ के विभागाध्यक्ष डॉ.एस.के.पाण्डेय, सह-विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया सिंह चौहान, लीगल एड सेल के प्रभारी प्रो. जे. पी. व्यास, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर परिसर में 50 से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। सभी उपस्थितजनों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी लिया।अपने उद्बोधन में सचिव सुनीत अग्रवाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित नि:शुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए विधिक जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जीलानी ने विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता योजना की संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नि:शुल्क विधिक सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के विभिन्न विधिक प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का सरल, व्यावहारिक एवं संतोषजनक समाधान किया गया। इसके पश्चात प्रो. कृतिका चौधरी द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

# ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अब मिलेगी डिजिटल चेतावनी

### – सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी किया केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन का मसौदा

भोपाल (ए.)। सडक़ सुरक्षा को अधिक प्रभावी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन का मसौदा जारी किया है, जिसके तहत ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को अब केवल मौखिक चेतावनी नहीं, बल्कि डिजिटल चेतावनी जारी करने का प्रस्ताव है। यह चेतावनी चालक के केंद्रीय डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगी और भविष्य में दोबारा नियम तोडऩे पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई का आधार बन सकती है।

जारी मसौदा अधिसूचना के अनुसार, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की स्थिति में जहां चेतावनी देना पर्याप्त समझा जाएगा, वहां यह चेतावनी ई-चालान की तरह डिजिटल माध्यम से जारी, डिलीवर और रिकॉर्ड की जाएगी। यानी पुलिस द्वारा दी गई चेतावनी अब केवल मौखिक सलाह नहीं रहेगी, बल्कि चालक के आधिकारिक डिजिटल रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाएगी।

केंद्रीय पोर्टल पर रहेगा पूरा रिकॉर्ड

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत सभी डिजिटल चेतावनियां एक केंद्रीय पोर्टल पर सुरक्षित रखी जाएंगी। इससे किसी भी वाहन चालक के ट्रैफिक नियमों के पालन या उल्लंघन का पूरा इतिहास उपलब्ध रहेगा। देश के किसी भी राज्य में नियम तोडऩे पर उसका रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर दर्ज होगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि डिजिटल चेतावनी को भविष्य में उसी प्रकार का पिछला उल्लंघन माना जाएगा। यदि कोई चालक एक ही प्रकार का ट्रैफिक नियम दोबारा तोड़ता है, तो उसके पहले से दर्ज डिजिटल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए अधिक कठोर कार्रवाई की जा सकेगी।

# मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधियों पर लगातार कार्रवाई

### -राजगढ़ में दो प्रकरणों में 2 लाख 24 हजार की ठगी की राशि पीड़ितों को वापस
### -नर्मदापुरम में अंतर्राज्यीय गिरोह के आरोपी गिरफ्तार



भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस साइबर अपराधों की रोकथाम, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम मेंराजगढ़ एवं नर्मदापुरम पुलिसने अलग-अलग प्रकरणों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए न केवल साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की, बल्कि पीड़ितों को उनकी ठगी गई राशि वापस दिलाने तथा अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी सफलता हासिल की।

प्रदेशभर में साइबर अपराधों के विरुद्ध की जा रही इन कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हुआ है कि समय पर शिकायत दर्ज कराने, तकनीकी अनुसंधान एवं विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करने से साइबर ठगी की राशि वापस दिलाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

राजगढ़ में डिजिटल अरेस्ट एवं ऑनलाईन निवेश के नाम पर ठगी गई पूरी राशि लौटाई

राजगढ़ पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर एक ऑटो चालक से ठगे गए 60हजार रूपएकीपूरी राशिसफलतापूर्वक वापस कराई। आरोपियों ने स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर अश्लील वीडियो देखने का झूठा आरोप लगाते हुए कार्रवाई का भय दिखाया और पीड़ित से धनराशि ट्रांसफर करवा ली थी। प्रकरण में उत्तरप्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा एक विधि-विरुद्ध बालक को भी प्रकरण में चिन्हित किया गया।वहीं एक अन्य मामले में शेयर ट्रेडिंग एवं ऑनलाइन निवेश पर अधिक लाभ का लालच देकर की गई साइबर धोखाधड़ी में पीड़ित के 1 लाख 64 हजार रूपए की संपूर्ण राशि वापस कराई।

# 'मेरा युवा भारत' से जुड़कर युवा राष्ट्रीय निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका : कलेक्टर श्री मिश्रा

### जिले के अधिक से अधिक युवाओं का पोर्टल पर पंजीयन कराने और विभागीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश




भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 'मेरा युवा भारत' अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर श्री मिश्रा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि 'मेरा युवा भारत' जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़कर युवा अपने विचारों और नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर साझा कर सकते हैं। युवाओं के सुझाव राष्ट्रीय नीतियों एवं बजट संबंधी विमर्श तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए ब्रिक्स सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों में स्वयंसेवक के रूप में सहभागी बनाया जा सकता है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और नशामुक्ति जैसे अभियानों में सहभागिता से युवाओं के कौशल,अनुभव और व्यक्तित्व का विकास होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों में सहभागिता से युवाओं की उपलब्धियां उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड और रिज्यूमे में दर्ज हो सकेंगी। इससे उन्हें उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य के रोजगार अवसरों में भी लाभ मिल सकता है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं का 'मेरा युवा भारत' पोर्टल पर पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, अशासकीय संगठनों तथा संबंधित विभागों के समन्वय से पंजीयन अभियान चलाया जाए। उन्होंने प्रत्येक विभाग एवं संस्था में 'मेरा युवा भारत' की गतिविधियों के प्रभावी संचालन और समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। बैठक में वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत आयोजित होने वाले अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य युवा गतिविधियों में विभिन्न विभागों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में युवाओं को प्रशासनिक, न्यायिक, औद्योगिक, तकनीकी, सामाजिक और विकासात्मक संस्थाओं से जोड़ने के लिए विभिन्न विभागों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।इस अवसर पर नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी सुश्री निक्की राठौर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# कमला नेहरू अस्पताल से इमरजेंसी वार्ड हटाने की योजना पर भड़के गैस पीड़ित

### - अस्पताल में धरना देकर जताया कड़ा विरोध

भोपाल(ए.)। कमला नेहरू अस्पताल से इमरजेंसी वार्ड हटाने की योजना पर आक्रोशित गैस त्रासदी के पीड़ितों ने कमला नेहरू अस्पताल में धरना देकर अपना विरोध जताया। साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि गैस पीड़ितों के इमरजेंसी वार्ड और अन्य सुविधाओं को हटाने पर आंदोलन किया जायेगा जानकारी के अनुसार यह धरना चार प्रमुख पीड़ित संगठनों के बैनर तले आयोजित किया गया, चारो संगठनो ने इस योजना को पीड़ित अवैध, असुरक्षित और संवैधानिक अधिकारों का हनन बताया हैं।

**– पीड़ितों ने उठाए विकिरण के गंभीर खतरे**

धरने को संबोधित करते हुए भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की नेता रशीदा बी ने प्रस्तावित स्थानांतरण पर गहरी चिंता जताई।

उन्होंने कहा, इमरजेंसी वार्ड को हमीदिया अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में शिफ्ट करना, जहाँ लगातार विकिरण का खतरा बना रहता है, गैस पीड़ितों की जान से खिलवाड़ करने के बराबर है। पीड़ितों का आरोप है कि इस स्थानांतरण से पहले न तो कोई स्वतंत्र रेडियोलॉजिकल सुरक्षा आकलन किया गया है, न ही परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) से कोई मंजूरी ली गई है। एईआरबी ने जो मंजूरी मिलीं है, उसमें साफ लिखा है कि मरीजों का वेटिंग एरिया यहां नहीं बनाया जा सकता है, फिर भी हमीदिया अस्पताल और पीईटी सीटी के ठेकेदार लगातार गैस पीड़ितों को इस असुरक्षित जगह पर ढकेल रही है1 गौरतलब हैं कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति ने भी एसीएस गैस राहत को पत्र लिखकर इसका कड़ा विरोध किया है।

**– पीड़ित संगठनों ने सरकार के सामने रखी चार माँगें**

कमला नेहरू अस्पताल से इमरजेंसी वार्ड हटाने का विरोध कर रहे सगंठनो में शामिल भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ, भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा और भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन ने सरकार से मांग की है की इमरजेंसी वार्ड को ट्रांसफर करने की सभी योजनाओं को स्थायी रूप से रोका जाए और वार्ड को मूल स्थिति में बहाल किया जाए, पीईटी-सीटी केंद्र को गांधी मेडिकल कॉलेज में स्थापित किया जाए और पूर्ण सार्वजनिक सुरक्षा आकलन और एईआरबी अनुमोदन के बिना कमला नेहरू अस्पताल में किसी भी रेडियोधर्मी बंकर के निर्माण पर रोक लगाई जाए।

# समान नागरिक संहिता को व्यापक जनसमर्थन

## विभिन्न धर्मों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एयरपोर्ट पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का व्यक्त किया आभार

इंदौर(आरएनएस)। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर समाज के विभिन्न धर्म और वर्गों में व्यापक समर्थन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर आगमन पर विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों तथा अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया तथा इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान न्याय उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था संविधान की मूल भावना के अनुरूप सामाजिक समरसता, समानता और न्याय को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समर्थन के लिए उपस्थित सभी धर्मों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का यह विश्वास और सहयोग प्रदेश के समावेशी विकास तथा सामाजिक सौहार्द को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला तथागोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा आदि मौजूद थे।

## गरीब मरीजों से ब्लड के नाम पर वसूली न हो, गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर डॉ.सोनवणे

बैतूल (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ.सोनवणे ने जिला अस्पताल एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रक्त की उपलब्धता की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि गरीब मरीजों से ब्लड उपलब्ध कराने के नाम पर किसी भी प्रकार की अवैध वसूली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गड़बड़ी पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विकासखंडों के बीएमओ एवं चिकित्सकों को सख्त निर्देश दिए कि जरूरतमंद मरीजों को शासन की व्यवस्था के अनुसार समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाए।

## विद्यार्थियों को दिया आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण

जबलपुर (आरएनएस)। 11वीं वाहिनी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा मानसून पूर्व तैनाती के अंतर्गत अशोका हॉल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विजय नगर में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के प्रति जागरूक बनाते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों, प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने भूकंप, अग्निकांड, बाढ़, विद्युत दुर्घटना सहित विभिन्न आपात स्थितियों में सुरक्षित निकासी, सीपीआर, प्राथमिक उपचार तथा अन्य जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया। एनडीआरएफ मुख्यालय तथा 11वीं वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर अनूप सिंह बिष्ट के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में निरीक्षक रेखा कुमारी ने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाकर आपदा जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

## आज निकलेगी बंगाली समाज की भव्य संपूर्ण श्री जगन्नाथ रथयात्रा

***शाम 5:30 बजे मौसी माँ के घर से होगा शुभारंभ, नगर भ्रमण के बाद श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचेंगे भगवान***

जबलपुर(ए.)। सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन, सिटी बंगाली क्लब द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य संपूर्ण रथयात्रा (बहुदा यात्रा) आज, 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को सायं 5:30 बजे श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ निकाली जाएगी। इस पावन अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा लाल पोशाक धारण कर भव्य सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) से अपने निज धाम श्री जगन्नाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे तथा मार्ग में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान करेंगे।संस्था के सचिव प्रकाश साहा ने बताया कि रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व सायं 5:00 बजे से संकीर्तन एवं हरिनाम कीर्तन होगा। तत्पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को रथ पर विराजमान कराया जाएगा 7संपूर्ण रथयात्रा सिटी बंगाली क्लब परिसर स्थित मौसी माँ के घर (गुंडिचा मंदिर) से प्रारंभ होकर करमचंद चौक, तुलाराम चौक, अंधेरदेव, बड़ा फुहारा, घमंडी चौक, सुपर मार्केट एवं मालवीय चौक होते हुए पुन: सिटी बंगाली क्लब स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुँचेगी, जहाँ भगवान का पारंपरिक विधि-विधान से स्वागत एवं प्रवेश कराया जाएगा।

## जंगली सियार ने घरों में घुसकर सात ग्रामीणों पर हमला, गांव में दहशत

जबलपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में सिहोरा मझगवां थाना क्षेत्र के कन्हाई देवरी गांव स्थित इंदिरा कॉलोनी में गुरुवार तड़के एक जंगली सियार ने घरों में घुसकर सो रहे ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस घटना में सात लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल है।जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 3:30 बजे सियार अचानक कॉलोनी के कई घरों में घुस गया और सो रहे लोगों पर हमला कर दिया। हमले में पुरुषोत्तम चौधरी (35), मंजू चौधरी (46), सुदर्शन चौधरी (45), रमित्री चौधरी (50), प्रीति चौधरी (30), रूपलाल चौधरी (50) और त्रिवेणी चौधरी (40) घायल हो गए। सभी को हाथ, कलाई, उंगलियों और आंख के आसपास गंभीर चोटें आई हैं। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों की मदद से सियार को गांव से बाहर खदेड़ दिया। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सिहोरा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में इस तरह की घटना पहली बार हुई है, जब कोई जंगली जानवर घरों के भीतर घुसकर लोगों पर हमला करने पहुंचा हो। घटना के बाद लोगों में दहशत व्याप्त है और रात के समय घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस किया जा रहा है।

## रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

ग्वालियर,(ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत गुरुवार की सुबह लगभग 7 बजे अनुविभागीय दण्डाधिकारी अतुल सिंह के नेतृत्व में गई संयुक्त टीम ने विक्की फैक्ट्री तिराहा व हुरावली चौराहा सहित अन्य स्थानों पर छापामर कार्रवाई की। इस दौरान रेत से भरे 10 ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए। प्रभारी खनिज अधिकारी घनश्याम यादव ने बताया कि अवैध व ओवरलोड रेत से भरे 7 ट्रेक्टर-ट्रॉली झांसी रोड थाना क्षेत्र में जब्त की गई हैं। इसी तरह तीन ट्रेक्टर ट्रॉली सिरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत जब्त की गई हैं। इन ट्रेक्टर-ट्रॉलियों को संबंधित पुलिस थाना की अभिरक्षा में भेजा गया है। साथ ही इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के लिये गई टीम में एसडीएम अतुल सिंह व तहसीलदार कुलदीप दुबे सहित अन्य राजस्व अधिकारी, प्रभारी खनिज अधिकारी घनश्याम यादव व पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।

## मंदसौर में विरोध रैली के दौरान उल्टा तिरंगा ले जाने का मामला, जांच के बाद कार्रवाई के निर्देश

मंदसौर(ए.)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई घटना के विरोध में गुरुवार को मध्य प्रदेश के मंदसौर में निकाली गई एक वाहन रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा उल्टा लेकर चलने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।जानकारी के अनुसार, श्यामलाल जोकचंद के नेतृत्व में आयोजित रैली यश नगर स्थित बीकानेर स्वीट्स से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची। यहां प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा।

रैली के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय ध्वज लेकर चल रहे थे। इसी दौरान तिरंगा उल्टी दिशा में प्रदर्शित किए जाने का मामला सामने आया। सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो प्रसारित होने के बाद प्रतिभागियों को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद ध्वज को सही तरीके से प्रदर्शित किया गया। मामले के सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े नियमों के संभावित उल्लंघन को गंभीरता से लिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

# व्यापार समाचार

## शेयर मार्केट में भूचाल, महज 4 घंटे में निवेशकों के डूब गए 4 लाख करोड़ रुपए, औंधे मुंह गिरे सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में सुबह बाजार खुलते ही शेयरों में जो बिकवाली का दौर शुरू हुआ, वह दोपहर होते-होते भारी तबाही में तब्दील हो गया। इस झटके का असर इतना तेज था कि सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में एक फीसदी से ज्यादा की भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का हाल इससे भी ज्यादा बुरा रहा, जिससे निवेशकों में भारी दहशत का माहौल है।

**महज चार घंटे में स्वाहा हो गई लाखों करोड़ की संपत्ति**

शेयर बाजार में आई इस भारी सुनामी ने निवेशकों की कमर पूरी तरह से तोड़ कर रख दी है। महज चार घंटे के शुरुआती ट्रेड में ही बीएसई (BSE) के निवेशकों को करीब 4 लाख करोड़ रुपये का तगड़ा और रुला देने वाला नुकसान झेलना पड़ा है। इस भारी गिरावट के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 4,80,34,340.27 करोड़ रुपये रह गया है। इससे ठीक एक दिन पहले यानी 21 जुलाई को यह कुल मार्केट कैप 4,84,29,839.10 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर था।

**सेंसेक्स और निफ्टी ने तोड़े अपने बेहद अहम सपोर्ट लेवल**

बाजार में मची इस चौतरफा बिकवाली के कारण आज दोपहर तक सेंसेक्स 800 अंकों से ज्यादा (लगभग 1%) टूटकर 76,641.19 के निचले स्तर पर जा गिरा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 भी अपने 24,000 के बेहद अहम सपोर्ट (समर्थन) स्तर को नहीं बचा सका। यह 200 अंकों (करीब 1%) की भारी गिरावट के साथ धड़ाम होकर 23,961.40 तक फिसल गया। बाजार में बड़े शेयरों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों में ज्यादा घबराहट देखी गई, जिसके चलते निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में लगभग डेढ़ प्रतिशत तक की तगड़ी और चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है।

## सरकार का बड़ा दावा, ई-20 पेट्रोल से पुराने वाहनों में थोड़ा घट सकता है माइलेज

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने कहा कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के इस्तेमाल से ई10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने या वाहनों में खराबी आने का कोई सत्यापित (वेरिफाइड) प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि ई10 के लिए डिजाइन किए गए पुराने वाहनों में माइलेज में होने वाली कमी आमतौर पर करीब 3 से 5 प्रतिशत तक ही सीमित रहती है।

उन्होंने कहा कि किसी वाहन का माइलेज केवल पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग की आदत, वाहन का रखरखाव, टायर प्रेशर, व्हील अलाइनमेंट और एयर कंडीशनर (एसी) के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

सुरेश गोपी ने कहा, ई10 के लिए डिज़ाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता में होने वाली कमी सामान्यत: मामूली (करीब 3-5 प्रतिशत) होती है।उन्होंने आगे कहा, कुछ पुराने वाहनों में माइलेज में हल्की गिरावट आ सकती है, लेकिन ई20 पेट्रोल के कई फायदे भी हैं। इसमें अधिक ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक प्रदर्शन, बेहतर दहन क्षमता और अधिक स्मूथ एक्सीलरेशन मिलता है। इस बीच, इसी महीने 7 जुलाई को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों पर आलोचकों को चुनौती दी थी।

# पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका से और महंगा हुआ कच्चा तेल, 100 डॉलर के करीब पहुंचा बेंट क्रूड

## डब्ल्यूटीआई क्रूड ने भी लगाई 91.42 डॉलर प्रति बैरल तक की छलांग

नई दिल्ली, (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग और खाड़ी के देशों से क्रूड ऑयल की ग्लोबल सप्लाई बाधित होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड दो महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 1.16 डॉलर प्रति बैरल की उछाल के साथ 95.23 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 99.99 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीने के दौरान ब्रेंट क्रूड का ये सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि, दिन के कारोबार में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक शाम 6:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 5.64 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 99.71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दो महीने पहले 24 मई को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 94.92 डॉलर प्रति बैरल से लेकर 96.30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति होने की उम्मीद की वजह से क्रूड ऑयल की कीमत में गिरावट का रुख बन गया था, जिसकी वजह से एक जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंड क्रड 71.44 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया था। हालांकि, छह जुलाई के बाद इसकी कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया।

ब्रेंट क्रूड की तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 0.90 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 87.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 91.42 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में इसकी कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक शाम 6:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.32 डॉलर प्रति बैरल यानी 4.98 प्रतिशत की तेजी के साथ 91.15 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल हो जाने, सीजफायर खत्म होने और दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर लगातार हमला करने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर चला गया था। इसके बाद तीन दिन तक सुस्ती का माहौल बना रहा, लेकिन पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है, जिसकी वजह से आज इसने पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर लिया है।

## सोने का भाव 473 रुपए गिरा और चांदी में 462 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सोने का भाव 473 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे आया, जबकि चांदी भी 462 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं की चमक फीकी पड़ी है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव बना। एमसीएक्स पर सोना 473 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी का भाव भी 462 रुपये गिरकर 2,26,536 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,131 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है, जबकि चांदी 0.26 प्रतिशत की कमी के साथ 60.18 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से सोना करीब 3 फीसदी चढ़कर 4,130 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास मजबूत हुआ था। वहीं देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और पटना सहित कई शहरों में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,400 रुपये पर स्थिर रहा।

## नए अवतार में आ रही 2027 हुंडई क्रेटा, हाइब्रिड इंजन और एआई फीचर्स से बाजार में मचाएगी तहलका

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय सड़कों पर सालों से राज कर रही हुंडई की सबसे पसंदीदा मिड-साइज एसयूवी 'क्रेटा' (Hyundai Creta) अब अपने नए और बेहद आक्रामक अवतार में तहलका मचाने को तैयार है। कंपनी इसके नेक्स्ट-जनरेशन मॉडल पर तेजी से काम कर रही है, जिसे आगामी 'भारत मोबिलिटी शो' में ग्लोबल डेब्यू किया जा सकता है। टेस्टिंग के दौरान कैमरे में कैद हो चुकी यह नई एसयूवी न सिर्फ साइज में पहले से ज्यादा बड़ी और ज्यादा जगह वाली होगी, बल्कि इसमें ऐसा हाइब्रिड इंजन मिलने जा रहा है जो माइलेज के मामले में सेगमेंट की बाकी गाड़ियों की छुट्टी कर देगा।

**नए Kx प्लेटफॉर्म पर बनेगी एसयूवी, लुक्स में दिखेगा बड़ा बदलाव**

नई क्रेटा को हुंडई के बिल्कुल नए और ज्यादा सुरक्षित 'Kx प्लेटफॉर्म' पर तैयार किया जा रहा है, जिसका इस्तेमाल किआ सेल्टॉस (Kia Seltos) में भी किया जाता है। नए प्लेटफॉर्म की वजह से इस एसयूवी का आकार पहले से काफी बढ़ जाएगा, जिससे केबिन के अंदर यात्रियों को पहले से कहीं ज्यादा लेगरूम और हेडरूम मिलेगा। स्पाई तस्वीरों के मुताबिक, इसका फ्रंट प्रोफाइल पूरी तरह से नया और ज्यादा मस्कुलर होगा, जिसमें हुंडई क्रेटा कॉन्सेप्ट की झलक देखने को मिलेगी। इसके अलावा कार के रियर में नई एलईडी टेललाइट्स, कनेक्टेड फुल-विड्थ लाइट बार, बड़े स्पोर्टी अलॉय व्हील्स और बड़ा पैनोरमिक सनरूफ जैसे मॉडर्न फीचर्स एसयूवी के रोड प्रेजेंस को बेहद खास बनाएंगे।

डिजाइन के साथ-साथ हुंडई अपनी इस आइकॉनिक एसयूवी के इंटीरियर को भी पूरी तरह से रिफाइन करने जा रही है। नई क्रेटा के केबिन में कंपनी का हाई-टेक 'Pleos Connect' सिस्टम देखने को मिलेगा, जिसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और नया डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले शामिल होगा।

एसयूवी को ज्यादा स्मार्ट बनाने के लिए इसमें 'Gleo AI' जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी दिए जाने की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रीमियम क्वालिटी वाले नए सीट कवर्स, अपडेटेड डोर पैनल्स, रियर पैसेंजर्स के लिए एडजस्टेबल हेडरेस्ट और सेफ्टी के लिए अपडेटेड ADAS जैसे एडवांस्ड फीचर्स दिए जाएंगे।

# सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

## जैसा रास्ता,वैसी मंजिल!

वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति औसत आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है, जिससे वे उच्च मध्यम आय वर्ग में पहुंच गए हैं। भारत अभी इस मंजिल से कोसों दूर है। विश्व बैंक ने बीते हफ्ते वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन को उच्च-मध्यम आय वर्ग वाली देशों की श्रेणी में डाल दिया, जबकि जाहिर हुआ कि भारत अभी इस मंजिल से बहुत दूर है। सबसे तेजी से उठती अर्थव्यवस्था और विकसित भारत की कहानियों में यकीन करने वाले समूहों में इस खबर से बड़ी बेचैनी देखी गई है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर देशों की श्रेणी बनाता है। 1,176 से 4,635 डॉलर प्रति व्यक्ति औसत आय वाले देशों को निम्न मध्य आय वर्ग में रखा जाता है। वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है। जबकि भारत अभी 2,760 डॉलर तक ही पहुंच पाया है।

अपने यहां सबसे ज्यादा व्यग्रता इस तथ्य से पैदा हुई है कि वियतनाम भारत के दो साल बाद यानी 2009 में निम्म मध्यम वर्ग आय श्रेणी में पहुंचा था। उसके 17 साल बाद वह अगली श्रेणी में जा पहुंचा है। जबकि डेमोग्रैफिक डिविडेंड, बड़े उपभोक्ता बाजार और दूरदर्शी नेतृत्व आदि जैसी कथाओं में खोये भारत के सामने मिडल इनकम ट्रैप में फंसे रह जाने की परिस्थिति आ खड़ी हुई है। यहां जानबूझ कर निर्मित निराधार कहानियों ने मानव विकास की उपेक्षा, अनुसंधान एवं विकास की अनदेखी, कारोबार के रास्ते में मौजूद रुकावटों से बेपरवाही तथा आर्थिक और वित्तीय शक्तियों के कुछ घरानों में केंद्रित होते चले जाने की हकीकत पर परदा डाले रखा है।

दूसरी तरफ वियतनाम ने प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग तैयार किया, जिससे 'चाइना+1' का दौर आने पर उसका लाभ उठाने में वह सफल हुआ। वह मैनुफैक्चरिंग को बहुरूप देने और निर्यात उन्मुख नीतियों पर अमल करने में कामयाब हुआ। नतीजतन, वहां लाखों नई नौकरियां पैदा हुईं, जिनसे आम जन की आमदनी बढ़ी। फिलीपीन्स पश्चिमी कंपनियों की जरूरत के मुताबिक सेवा प्रदान करने के ढांचे की बदौलत आगे बढ़ा है, तो चार साल पहले व्यापक अस्थिरता का शिकार हुआ श्रीलंका फिर से विकास मार्ग पर चल निकला है। इसके विपरीत भारत के नीति-निर्माता वर्तमान की बलि चढ़ा कर अतीत के गौरव की तलाश में मग्न रहे हैं, तो उसके परिणाम से हम कैसे बच सकते हैं!

# लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शनः जनहित का संवैधानिक अधिकार या दलगत टकराव का अखाड़ा?

### क्या आज आंदोलन जनहित और नीति- सुधार से अधिक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और दलगत हितों के इर्द-गिर्द केंद्रित होते जा रहे हैं?

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया**

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत का लोकतंत्र अपनी सबसे बड़ी शक्ति जनता की भागीदारी, असहमति के सम्मान और शांतिपूर्ण विरोध की परंपरा से प्राप्त करता भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धरना,प्रदर्शन, सत्याग्रह और जनआंदोलन केवल विरोध के साधन नहीं होते,बल्कि वे शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने के संवैधानिक माध्यम भी माने जाते हैं। भारत की सभ्यता में भी अहिंसक प्रतिरोध की परंपरा अत्यंत प्राचीन रही है,जिसे आधुनिक युग में महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के रूप में विश्व के सामने स्थापित किया।स्वतंत्रता संग्राम से लेकर किसानों,मजदूरों,छात्रों, महिलाओं और सामाजिक संगठनों तक,शांतिपूर्ण आंदोलनों ने समय-समय पर सरकारों को जनभावनाओं पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।यही लोकतंत्र की आत्मा है कि सरकार और विपक्ष दोनों जनता के प्रति जवाबदेह रहें तथा मतभेदों का समाधान संविधान और संवाद के माध्यम से खोजें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि समय के साथ-साथ आंदोलन की प्रकृति में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देने लगा है। आज अनेक अवसरों पर यह धारणा बनती जा रही है कि कई आंदोलन जनहित और नीति-सुधार से अधिक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और दलगत हितों के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गए हैं। जनता के एक वर्ग में यह प्रश्न उठने लगा है कि क्या धरना-प्रदर्शन अब लोकतांत्रिक विमर्श का माध्यम रह गए हैं,अथवा वे राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का उपकरण बनते जा रहे हैं? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के समानांतर सड़क पर संघर्ष की राजनीति बढ़ती दिखाई दे रही है।इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2026 का मानसून संसद सत्र विशेष चर्चा का विषय बन गया है। 20 जुलाई से प्रारंभ हुए संसद सत्र के साथ ही विभिन्न विपक्षी दलों ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई। यूजीसी-नेट,शिक्षा व्यवस्था,छात्रों के मुद्दे,कथित पुलिस कार्रवाई तथा शिक्षामंत्री से इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद के भीतर और बाहर दोनों स्थानों पर आक्रामक रुख अपनाया, दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन को व्यापक राजनीतिक समर्थन मिलने लगा,जिसमें विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं की भागीदारी ने इसे केवल एक छात्र या सामाजिक आंदोलन न रहने देकर राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बना दिया।अब धरना स्थल पर भगदड़, पीएम के आवास पर धरना, फिर 22 जुलाई 2026 को सत्ताधारी पार्टी द्वारा भी आंदोलन धरना व तेलंगाना में दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की झड़प यह सब मीडिया में आ रहा है जिसे जनता, मतदाता व पूरा विश्व देख रहे हैं।

साथियों इसी क्रम में पर्यावरण कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन को भी विपक्ष ने समर्थन दिया। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की गई और न्यायालय के सुझाव के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे आंदोलन को मानवीय और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से व्यापक चर्चा मिली। लोकतंत्र में किसी भी नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार है,किंतु जब ऐसे आंदोलनों के साथ राजनीतिक दल खुलकर जुड़ते हैं तो आंदोलन का स्वरूप स्वत: व्यापक राजनीतिक बहस का विषय बन जाता है। सरकार इसे राजनीतिकरण कहती है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक समर्थन बताता है। दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं, किंतु अंतिम निर्णय जनता की लोकतांत्रिक समझ पर ही सटीकता से निर्भर करता है।

साथियों, इन घटनाओं के समानांतर संसद के भीतर भी लगातार हंगामा, नारेबाजी, स्थगन और बहिर्गमन जैसी स्थितियां देखने को मिलीं।संसद का प्रत्येक मिनट राष्ट्रीय संसाधनों,करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व से जुड़ा होता है। जब 25 दिन के निर्धारित संसदीय सत्र का बड़ा हिस्सा व्यवधानों में व्यतीत होता है,तबस्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या जनहित से जुड़े विधेयक, आर्थिक सुधार, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर्याप्त चर्चा प्राप्त कर पाएंगे? लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठोर प्रश्न पूछना है, वहीं सरकार का दायित्व उत्तर देना और संसद चलाना है। यदि दोनों पक्ष संवाद के स्थान पर केवल टकराव का मार्ग अपनाते हैं तो अंतत: नुकसान सटीकता से जनता का होता है।

साथियों, स्थिति तब और अधिक गंभीर दिखाई दी जब संसद के बाहर पीएम के आधिकारिक आवास के निकट प्रमुख विपक्षी पार्टी द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का मुख्य आधार नीट पेपर लीक,छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई तथा शिक्षा संबंधी मुद्दे बताए गए। विपक्ष का कहना था कि वह छात्रों की आवाज़ को सरकार तक पहुंचाना चाहता है, जबकि सत्तापक्ष ने इसे सुरक्षा व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं के विरुद्ध राजनीतिक प्रदर्शन बताया। पीएम आवास जैसे अति- संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन ने स्वाभाविक रूप से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई और राजनीतिक वातावरण और अधिक गर्म हो गया।इसके तुरंत बाद प्रमुख सत्ताधारी पार्टी ने भी प्रमुख विपक्षी पार्टी के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन प्रारंभ कर दिए। अनेक राज्यों में प्रमुख सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और विपक्ष के आरोपों का प्रतिवाद किया।यह घटनाक्रम लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का स्वाभाविक हिस्सा माना जा सकता है, किंतु जब जवाबी प्रदर्शन भी समान तीव्रता से शुरू होते हैं तो राजनीतिक तनाव कई गुना बढ़ जाता है। तेलंगाना सहित कुछ स्थानों पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की मीडिया में आई खबरों ने चिंता और बढ़ा दी। लोकतंत्र में विचारों का संघर्ष स्वीकार्य है,परंतु यदि वह शारीरिक टकराव का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है।

साथियों,आज सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में भारत की प्रत्येक राजनीतिक गतिविधि केवल देश की जनता ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व भी देखता है। भारत स्वयं को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसे में संसद के भीतर लगातार व्यवधान, सड़क पर राजनीतिक संघर्ष, आरोप-प्रत्यारोप और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकतांत्रिक परिपक्वता के संदर्भ में चर्चा का विषय बनते हैं। लोकतंत्र की शक्ति केवल चुनावों में नहीं, बल्कि असहमति को गरिमा के साथ संभालने की क्षमता में भी निहित होती है। साथियों,राजनीतिकविश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि जनता अब केवल भाषणों और नारों के आधार पर निर्णय नहीं करती।मतदाता शिक्षा,रोजगार,महंगाई,कृषि स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, कानून-व्यवस्था और आर्थिक अवसरों जैसे ठोस मुद्दों पर सरकार और विपक्ष दोनों का मूल्यांकन करता है। यदि संसद का समय बार-बार हंगामे में व्यतीत होता है और जनहित के प्रश्न पीछे छूट जाते हैं, तो मतदाता दोनों पक्षों के आचरण का आकलन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर करता है। इसलिए कई विश्लेषक यह संभावना व्यक्त करते हैं कि अंतत: जनता अपने मताधिकार के माध्यम से राजनीतिक दलों के व्यवहार पर प्रतिक्रिया देती है। यह प्रतिक्रिया किसके पक्ष में जाएगी, इसका निर्णय केवल चुनाव परिणाम ही करते हैं।

# यह युवाओं में भरा हुआ गुस्सा है!

अजीत द्विवेदी

जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन एक सामान्य सी मांग को लेकर शुरू हुआ था। छह जून को अमेरिका से लौटे अभिजीत दीपके ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अमेरिका में रहते हुए एक सोशल मीडिया हैंडल बनाया था, जिसका नाम रखा था 'कॉकरोच जनता पार्टी'। बाद में इसके एक्स हैंडल को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया तो 'कॉकरोच इज बैक' नाम से दूसरा हैंडल बनाया गया। सो, कुल मिला कर यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बना हैंडल है, जिसने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को मुद्दा बनाया था। 28 जून को वापस जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू करने से पहले दीपके ने महाराष्ट्र के अपने गांव से कई संदेश दिए और जयपुर व नागपुर में भी प्रदर्शन किया। हर जगह उन्होंने एक ही मुद्दा उठाया कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

यह विशुद्ध रूप से एक एक लोक लुभावन राजनीतिक नारा था और तभी इसे जमीनी स्तर पर बहुत समर्थन नहीं मिला। जिस तेजी से सोशल मीडिया हैंडल पर इसके फॉलोवर बढ़े थे वह तेजी दो दिन के बाद ही थम गई। छह जून के प्रदर्शन को सीमित सफलता मिली। दीपके तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद बेहोश हो गए और एसी गाड़ी में बैठने चले गए। तब ऐसा कतई नहीं लगा था कि यह आंदोलन इतना बड़ा होगा और इससे देश भर के छात्र, युवा और उनके अभिभावक जुड़ जाएंगे।

इसका श्रेय जाता है सोनम वांगचुक को। उन्होंने इस आंदोलन को एक व्यापक स्वरूप दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनकी अपनी एक नैतिक ताकत है। जैसे अन्ना हजारे की पहचान भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी की थी वैसे ही सोनम वांगचुक की छवि एजुकेटर और इनोवेटर की है। इसलिए जब वे आंदोलन से जुड़े और उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ साथ शिक्षा व परीक्षा की गड़बड़ियों को मुख्य मुद्दा बनाया तब इस आंदोलन का दायरा बढ़ गया।

सरकार इस बात को समझने में नाकाम रही कि यह आंदोलन बहुत बड़ा हो गया है। वह इसकी तीव्रता और व्यापकता को जंतर मंतर पर जुड़ी भीड़ से माप रही थी। जबकि यह जंतर मंतर से ही नहीं, बल्कि सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी की सीमाओं से भी व्यापक हो गया है। जो लोग भी इसका आकलन जंतर मंतर की भीड़ से करेंगे वे धोखा खाएंगे। इस आंदोलन का दायरा पूरे देश में फैल गया है। देश के अलग अलग हिस्सों में जितने लोग इस आंदोलन का समर्थन करने निकल रहे हैं उसके कई गुना ज्यादा लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसका समर्थन कर रहे हैं और उससे भी कई गुना ज्यादा लोगों के दिलों में इस आंदोलन को लेकर समर्थन का भाव पैदा हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश का हर परिवार इससे अपने को जुड़ा हुआ पा रहा है।

असल में हर राज्य में और हर तरह की परीक्षा में गड़बड़ी हो रही है। यह गड़बड़ी कई किस्म की है। कहीं समय से परीक्षा नहीं हो रही है, परीक्षा हो रही है तो पेपर लीक हो जा रहा है, नतीजों में देरी हो रही है, नतीजों जारी हो रहे हैं तो उनमें गड़बड़ी हो जा रही है, नतीजे आने के बाद भी नियुक्ति नहीं हो रही है और इस पूरी प्रक्रिया में हर साल लाखों बच्चों की उम्र सीमा निकल जा रही है। उसको भले यह नहीं लग रहा हो कि इस आंदोलन से उसकी समस्याओं का पूरा समाधान हो जाएगा फिर भी वह इसलिए इससे जुड़ रहा है क्योंकि उसे यह आंदोलन अपने संचित आक्रोश की अभिव्यक्ति प्रतीत हो रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी भले मई में बनी या सोनम वांगचुक भले शिक्षा का मुद्दा लेकर 28 जून को भूख हड़ताल पर बैठे परंतु छात्रों का मुद्दा मई या जून का नहीं है। पिछले कई बरसों से छात्र और युवा इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अंदर बरसों से जो गुस्सा इकट्ठा हो रहा था वह इस आंदोलन में अभिव्यक्त हो रहा है।केंद्र सरकार इस आंदोलन को लेकर एक के बाद एक गलतियां करती जा रही है। सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी करना एक गलती थी तो दूसरी गलती पुलिस भेज कर उनको जंतर मंतर से उठवा लेने की थी। तीसरी गलती यह थी कि सरकार ने कोई बैक चैनल वार्ता नहीं की। सीधे जेपी नड्डा से 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रतिनिधियों की मुलाकात कराई गई। यह मुलाकात भी ऐसे समय में हुई, जब हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़क पर थे। उनके ऊपर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेताओं का कोई नियंत्रण नहीं था। इसलिए बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला।चौथी गलती यह है कि सरकार छात्रों और युवाओं के आंदोलन को आपराधिक कृत्य बताने का नैरेटिव पुश कर रही है। पुलिस मुकदमे दर्ज कर रही है। सीसीटीवी देख कर आंदोलनकारियों की पहचान की जा रही है। मीडिया में फुटेज लीक करके यह नैरेटिव बनाया जा रहा है कि छात्रों ने पुलिस पर पत्थर फेंके या हमला किया। हो सकता है कि बाद में वार्ता में इसका मोलभाव के तौर पर इस्तेमाल किया जाए। लेकिन यह तय मानें कि छिटपुट घटनाओं को आधार बना कर युवाओं के स्वंयस्फूर्त आंदोलन की साख बिगाड़ने की कोशिश से सरकार की छवि सकारात्मक नहीं बनेगी। उलटे युवाओं में सरकार और भाजपा को लेकर नाराजगी और बढ़ेगी।

ध्यान रहे इससे पहले हर आंदोलन में कुछ न कुछ हिंसा, तोड़फोड़ और आपराधिक कृत्य हुए। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के दौरान बडौदा डायनामाइट कांड हुआ था। इस सिलसिले में जॉर्ज फर्नांडीज गिरफ्तार हुए थे। आरोप लगे थे कि उन्होंने रेल के पुल और पटरियां उड़ाने के लिए डायनामाइट की तस्करी की थी। लेकिन क्या इस आपराधिक आरोप के आधार पर जेपी के आंदोलन को परिभाषित किया जाएगा? अगर सरकार यह सोच रही है कि प्रदर्शनकारियों पर मुकदमे दर्ज करके या उनको साजिश का हिस्सा बता कर या उनको हिंसक व मोदी विरोधी बता कर इस आंदोलन की साख बिगाड़ देगी या इससे मोदी समर्थक भी प्रदर्शनकारियों के बारे में ऐसा ही सोचना लगेंगे तो यह बड़ी गलतफहमी है।

बच्चे मोदी समर्थकों के घरों में भी हैं और परीक्षा की गड़बड़ियों का असर उनके ऊपर भी समान रूप से हुआ है। इसलिए प्रदर्शन को क्रिमिनलाइज करने की कोशिश बैकफायर कर जाएगी।

## थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्रः क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य

**योगेश कुमार गोयल**

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के चांस बन रहे है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं, अपने काम को सावधानी और ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

# जेनरेशन-ज़ेड ने हिलाई लुटियंस दिल्ली

श्रुति व्यास

मैंने सोमवार सुबह यह गलत लिखा कि भारत की जेनरेशन-ज़ेड राजनीति से उदासीन है, डरपोक तरुणाई है और व्यवस्थापरस्त है। लेकिन सोमवार को ही नई दिल्ली की लुटियंस दिल्ली की सड़कों ने मेरा भ्रम चकनाचूर कर दिया। चार-चार परतों वाली बैरिकेडिंग, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली-त्रिपुरा आदि की पुलिस के हजारों जवानों, दंगा-रोधी वाहन, नाकाबंदी, बंद मेट्रो स्टेशन और बाधित इंटरनेट के बावजूद युवाओं का जनसैलाब अकल्पनीय था। मैंने सोचा था कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठवा कर सरकार ने 20 जुलाई के प्रदर्शन को फुस्स कर दिया है। पर आज प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जान गए होंगे कि जिस युवापीढ़ी को वे अपना 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' मानते थे, वही अब जज़्बाती गुस्से में है।

मैं सुबह साढ़े दस बजे से शाम पाँच बजे तक संसद भवन के इर्द-गिर्द, रिज़र्व बैंक के आसपास, पटेल चौक, संचार भवन, जंतर-मंतर, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और रायसीना रोड पर उस युवा जोश से रूबरू थी, जिसमें लड़कों से अधिक लड़कियाँ गुस्से में दिखीं। पुलिस से लड़कियाँ न केवल भिड़ रही थीं, बल्कि वे मीडिया से भी बेबाकी से बोल रही थीं। पुलिसकर्मियों से वे पूछ रही थीं, क्या तुम्हारे बेटे-बेटियाँ नहीं हैं?

ऐसा दिन न अन्ना आंदोलन के समय था और न निर्भया आंदोलन के समय। जबकि आज पूरा दिन उमस से भरा था। इतनी उमस कि कपड़े शरीर से चिपक जाएँ। बादल बरसते, फिर धूप निकल आती, फिर बारिश लौट आती। लेकिन मौसम जितना भारी था, पुलिस बंदोबस्त जितने भारी थे युवाओं का उत्साह उससे कहीं अधिक था। समय बीतने के साथ भीड़ कम नहीं हुई, वह लगातार बढ़ती गई। जंतर-मंतर की ओर आने वाली लगभग हर सड़क छात्रों और युवाओं से भरी थी। नारे गूंज रहे थे। जोश, हिम्मत साफ महसूस हो रही थी। यदि कोई पूछता कि हाउ इज़ द जोश?, तो जवाब दिल्ली की सड़कें खुद दे रही थीं— हाई।

प्रदर्शन में केवल दिल्ली का ही युवा नहीं था। देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्र पहुंचे थे। मेरी मुलाकात जयपुर से आए कुछ युवाओं से हुई, जो सिर्फ मार्च में शामिल होने नहीं, बल्कि एकजुटता जताने आए थे। पंजाब, मुंबई, हरियाणा और कई दूसरे राज्यों से भी छात्र पहुंचे थे। भीड़ में इंजीनियर थे, डिजाइनर थे, एमबीए के छात्र थे, कानून पढ़ने वाले थे, किसान परिवारों के युवा थे। कई पहली बार दिल्ली आए थे। वे सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने नहीं, बल्कि अपनी आवाज़ सुनाने आए थे।

भीड़ में मेरी मुलाकात दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेज़ी में स्नातक कर चुकी रागिनी से हुई। वह पुलिस की बैरिकेडिंग के ठीक बाहर खड़ी थी। कुछ ही मिनट पहले महिला पुलिसकर्मी उसे घसीट कर वहां तक लाई थीं। उसके छोटे-छोटे हाथों की त्वचा अब भी लाल पड़ी थी। कलाइयों पर उभरते नीले निशान साफ दिखाई दे रहे थे। लेकिन उसके चेहरे पर डर नहीं था। उल्टा, जैसे उस टकराव ने उसके इरादे को और धार दे दी हो। बात करते हुए वह अनमने ढंग से अपनी उंगलियां मोड़ती-खोलती रही, मानो दर्द अब उसके लिए मायने ही नहीं रखता। आंखों में आग थी, आवाज़ में ज़रा भी कंपन नहीं। वह मयूर विहार से प्रदर्शन देखने नहीं आई थी। वह उसका हिस्सा बनने आई थी

रागिनी ने बताया कि जिस मास्टर्स कोर्स में वह दाखिला लेना चाहती है, उसमें सामान्य वर्ग के लिए अब केवल 18 सीटें बची हैं। जिस एनसीसी मार्ग से आगे बढ़ने की उसने योजना बनाई थी, उसके पात्रता नियम भी बदल दिए गए हैं। और अगर वह अभी नौकरी करने लगे, तो मुश्किल से बारह हजार रुपये महीने कमा पाएगी। आप ही बताइए, उसने मुझसे पूछा, ग्रेजुएट होकर भी सिर्फ़ बारह हजार कमाऊंगी? फिर वह बोली, नेता अपने बच्चों को विदेश पढ़ने भेजते हैं। आलीशान ज़िंदगी जीते हैं। हमारा क्या? दोपहर तक रागिनी उस विशाल जनसमूह का सिर्फ़ एक चेहरा रह गई थी, जो देश के अलग-अलग हिस्सों से राजधानी के दिल की ओर बढ़ रहा था।

रागिनी अकेली नहीं थी। उसके जैसे सवाल पूरे प्रदर्शन में बार-बार सुनाई दे रहे थे।

संसद मार्ग के बाहर मेरी मुलाकात उन कुछ दोस्तों से हुई, जो सिर्फ़ एकजुटता जताने के लिए रातभर का सफ़र तय कर जयपुर से आए थे। पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से भी छात्र पहुंचे थे। कई तो सीधे रेलवे स्टेशन से अपने बैग कंधों पर लटकाए मार्च में शामिल हुए। उनमें से कई ने बताया कि यह उनके जीवन का पहला प्रदर्शन था।

थोड़ी देर बाद मेरी मुलाकात हिमांशी से हुई। वह और उसकी सहेलियाँ आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद आगे बढ़ रही थीं। आँखें लाल थीं। हाथों और कलाइयों पर धक्का-मुक्की के निशान थे। लेकिन उनमें डर नहीं था। हिमांशी पिछले वर्ष ग्रेजुएशन कर चुकी है और फैशन इंडस्ट्री में काम करती है। उसके साथ काम करने वाली उसकी सहेलियाँ भी थीं। ढीली जींस, टी-शर्ट और सिर पर बंधे बैंडाना पहने ये युवा किसी राजनीतिक संगठन की पारंपरिक तस्वीर नहीं लग रहे थे। लेकिन बातचीत शुरू होते ही उनकी राजनीतिक चेतना साफ दिखाई देने लगी।

K K

# राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 24 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

## हर विषय की जांच को तैयार सरकार, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : नितिन नबीन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा है कि सरकार हर विषय की निष्पक्ष जांच कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान नितिन नबीन ने कहा कि सरकार त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था लाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके और दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिले।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री कोई संकल्प लेते हैं तो उसे पूरा करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है। उनके अनुसार, सरकार न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध है।

भाजपा अध्यक्ष का यह बयान ऐसे समय आया है जब विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनीतिक बहस तेज है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने की संभावना है।

## तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत

भिलाई नगर, (आरएनएस)। इस्पात नगरी भिलाई में गुरुवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक सेक्टर-6 के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह लगभग 4 बजे सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर गुंडिचा मंडप के सामने, सेक्टर-9 से सेक्टर-6 जाने वाली सड़क पर हुई। कार क्रमांक CG 07 MB 5986 तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को कार से शराब की बोतलें और नमकीन के पैकेट मिले हैं। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## पेपर लीक पर सख्त कानून की वकालत, संबित पात्रा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पेपर लीक के मुद्दे पर सख्त कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कांग्रेस पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय विपक्ष केवल राजनीतिक विरोध में लगा हुआ है।

संबित पात्रा ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, छात्र प्रतिनिधियों और सोनम वांगचुक के साथ हुई बातचीत में यह बात सामने आई कि पेपर लीक जैसे मामलों पर गंभीर मंथन और कड़े कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस विषय पर सदन में चर्चा नहीं चाहती और केवल राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का ऐतिहासिक निर्णय घोषित किया है।

संबित पात्रा के अनुसार, सरकार का उद्देश्य दोषियों के खिलाफ प्रभावी और शीघ्र कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है, ताकि छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। यह भाजपा सांसद का सार्वजनिक राजनीतिक बयान है।

## छात्रों के हित सर्वोपरि, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) छात्रों से जुड़े मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा के पक्षधर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस विषय पर सदन में चर्चा से बच रहा है।

संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए सांसदों ने संसद के बाहर छात्रों से जुड़े मुद्दों, विशेषकर नीट (NEET) और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा की मांग उठाई। उनके अनुसार, सरकार छात्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया पर दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि छात्रों के हितों से बढ़कर कुछ नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भाजपा सांसद ने बताया कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके और जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार दंड मिल सके।

सुधांशु त्रिवेदी का यह बयान संसद के मानसून सत्र के दौरान शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जारी राजनीतिक बहस के बीच सामने आया है।

## पेपर लीक के सभी मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई', नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए देशभर में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द और कड़ी सजा मिल सके। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि हमारे युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का उद्देश्य पेपर लीक मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है।पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले को जल्द से जल्द लागू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पेपर लीक के हर मामले में दोषियों को जल्द कठोर सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की जाएगी।सरकार का मानना है कि इस पहल से पेपर लीक मामलों में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी, दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता तथा युवाओं का भरोसा और मजबूत होगा।

## वायरल वीडियो के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन, प्रदर्शनकारी को कथित धमकी देने वाला पुलिस चालक निलंबित

मुंबई,(आरएनएस)। परीक्षा संबंधी कथित पेपर लीक के विरोध में जारी प्रदर्शनों के बीच मुंबई पुलिस के एक चालक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।वायरल वीडियो में एक पुलिस वाहन के भीतर मौजूद पुलिसकर्मी कथित तौर पर प्रदर्शन में शामिल कुछ युवाओं को दोबारा आंदोलन में शामिल होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देता सुनाई देता है। वीडियो में वह कथित रूप से उन्हें झूठे मादक पदार्थ (ड्रग्स) से जुड़े मामले में फंसाने जैसी बात कहता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली।बताया जा रहा है कि यह वीडियो मुंबई कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया गया, जिसके बाद मामला चर्चा में आया। हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में मुंबई के शिवाजी पार्क, चेंबूर और आजाद मैदान सहित कई स्थानों पर छात्र और अन्य लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।मुंबई पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित पुलिसकर्मी की पहचान कांस्टेबल पवन सांगले के रूप में की है, जो मोटर वाहन शाखा से संबद्ध है और वर्तमान में सायन पुलिस थाने में पदस्थ था। जांच पूरी होने तक उसे निलंबित कर दिया गया है।मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो की सत्यता और उससे जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले और अन्य नेता नई दिल्ली में संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुए।

## सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक ट्विन टावर खरीदारों की रिफंड याचिका पर सुनवाई तीन महीने के लिए टाली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा स्थित सुपरटेक के ध्वस्त हो चुके ट्विन टावर परियोजना के घर खरीदारों को धनवापसी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई तीन महीने के लिए स्थगित कर दी है। अदालत ने कहा कि इस अवधि के दौरान खरीदारों के दावों के समाधान के लिए उपलब्ध अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा।मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे, ने मामले की सुनवाई के दौरान बताया कि जिन खरीदारों ने वैकल्पिक आवंटन स्वीकार नहीं किया है, उनके दावों के निस्तारण के प्रयास जारी हैं।सुनवाई के दौरान कुछ घर खरीदारों की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि उन्हें अब तक पूरी धनवापसी नहीं मिली है और अंतिम भुगतान वर्ष 2024 में किया गया था। इस पर अदालत को बताया गया कि समाधान की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है, जिसके बाद पीठ ने सुनवाई तीन महीने के लिए टाल दी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि ध्वस्त किए गए ट्विन टावर के प्रभावित खरीदारों को अंतरिम समाधान पेशेवर (IRP) के पास उपलब्ध राशि से आनुपातिक आधार पर धनवापसी की जाएगी।

## बेंगलुरु के पीजी में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, पश्चिम बंगाल के 9 प्रवासी श्रमिक झुलसे

बेंगलुरु,(आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गुरुवार सुबह एक पीजी आवास में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने से पश्चिम बंगाल के नौ प्रवासी श्रमिक घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घटना हेब्बागोडी थाना क्षेत्र के बोम्मासंद्रा स्थित एक पीजी में हुई। घायल सभी श्रमिक बेंगलुरु की एक इंजीनियरिंग कंपनी में कार्यरत हैं और घटना के समय कमरे में मौजूद थे। बताया गया कि वे सुबह नींद से उठे ही थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घायलों में छह श्रमिक 60 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। सभी घायलों को तत्काल चंदापुरा स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

## खुशियां मातम में बदलीं! शादी से लौट रहे 7 दोस्तों की कार तालाब में गिरी, 5 युवकों की मौत-2 घायल

अनुगुल (आरएनएस)। ओडिशा के ढेंकानाल जिले में बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। शादी समारोह से लौट रही एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे तालाब में जा गिरी। कार में सवार सात दोस्तों में से दो ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, जबकि पांच अन्य डूब गए।यह हादसा ढेंकानाल सदर थाना क्षेत्र के छतिया गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, मोटांगा थाना क्षेत्र के बंगुरासिंह गांव के सात दोस्त इंदिपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर देर रात कार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार सीधे तालाब में जा गिरी।कार के पानी में डूबते ही उसमें सवार युवकों में चीख-पुकार मच गई। बबलू और शिबू नामक दो युवकों ने हिम्मत दिखाते हुए कार का दरवाजा तोड़ा और तैरकर बाहर निकल आए। उन्होंने ग्रामीणों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकालकर उसमें फंसे पांच युवकों को निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।मृतकों की पहचान चालक चंद्रकांत स्वाईं, अबिनाश साहू, राकेश साहू, श्रीराम साहू और अभिजीत साहू के रूप में हुई है। सभी की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बताई गई है।पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार या चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है।साथ पांच युवकों की मौत से बंगुरासिंह गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिला अस्पताल में भी परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

## दुबई से भेजा 14.42 लाख का सामान लेकर महिला लापता, मुंबई पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

मुंबई, (आरएनएस)। दुबई में कारोबार करने वाले एक भारतीय कारोबारी द्वारा अपनी पत्नी के लिए भेजा गया करीब 14.42 लाख रुपये का कीमती सामान मुंबई पहुंचने से पहले ही कथित धोखाधड़ी का शिकार हो गया। आरोप है कि सामान लेकर दुबई से मुंबई पहुंची एक परिचित महिला एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद लापता हो गई। शिकायत मिलने पर सहार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता कौसरी राजपूत मुंबई में रहती हैं, जबकि उनके पति उमर राजपूत पिछले कई वर्षों से दुबई में व्यवसाय कर रहे हैं। वहीं उनकी पहचान महजबीन मोहम्मद इमरान नामक महिला से हुई थी, जिससे दोनों परिवारों के बीच भरोसे का संबंध बन गया था।

## महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल, एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा जंतर-मंतर ड्यूटी से हटाए गए

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली में सीजेपी के 'चलो संसद' प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के आरोपों के बाद एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल की ड्यूटी से हटा दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया है।20 जुलाई को कथित परीक्षा अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जुटे थे। इसी दौरान वायरल वीडियो में एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दिए।

बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पुलिस की कथित बर्बरता के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान इस घटना का भी उल्लेख किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत को बताया कि वीडियो में अधिकारी बिना किसी उकसावे के महिला को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का उपयोग करने के बजाय सीधे आंसू गैस के गोले छोड़े, जबकि ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना चाहिए था।मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने दिल्ली पुलिस, केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

## दिल्ली में एनएसए के तहत एहतियाती हिरासत की शक्ति 18 अक्तूबर तक बढ़ी, पुलिस ने बताया नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत एहतियाती हिरासत की शक्तियों को 18 अक्तूबर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएसए की धारा 3(2) के तहत यह अधिकार पूर्ववत जारी रहेगा। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस निर्णय का राजधानी में परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों से कोई संबंध नहीं है। पुलिस के अनुसार, यह शक्तियां नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत समय-समय पर बढ़ाई जाती हैं और यह व्यवस्था कई वर्षों से लागू है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब परीक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर विभिन्न संगठनों के नेतृत्व में राजधानी में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। हाल ही में संसद की ओर मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प की घटनाएं भी सामने आई थीं। दिल्ली सरकार के गृह विभाग द्वारा 15 जुलाई को जारी अधिसूचना के मुताबिक, पुलिस आयुक्त को दी गई यह शक्ति 18 अक्तूबर तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि एनएसए के तहत ऐसे अधिकारों का नवीनीकरण सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे हर तीन महीने में बढ़ाया जाता है।

## किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ सहकारिता आंदोलन बना अमूल की वैश्विक पहचान

आनंद (गुजरात),(आरएनएस)। किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ एक छोटा-सा सहकारी आंदोलन आज दुनिया के सबसे बड़े डेयरी सहकारी मॉडलों में शामिल हो चुका है। वर्ष 1946 में महज 247 लीटर प्रतिदिन दूध संग्रह से शुरू हुई अमूल की यात्रा आज गुजरात में 36 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को जोड़ते हुए प्रतिदिन 350 लाख लीटर से अधिक दूध संग्रह तक पहुंच चुकी है। अमूल की इस ऐतिहासिक यात्रा और सहकारी मॉडल की जानकारी आनंद डेयरी की मानव संसाधन प्रमुख डॉ. प्रीति शुक्ला ने गुजरात के अध्ययन दौरे पर आए छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को दी।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि 1930 और 1940 के दशक में खेड़ा क्षेत्र दूध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था, लेकिन दूध के विपणन और आपूर्ति पर निजी डेयरी का नियंत्रण था। किसानों को उनके दूध का उचित लाभ नहीं मिल रहा था और उन्हें लगने लगा था कि इस व्यवस्था में उनका शोषण हो रहा है। किसानों ने इस समस्या को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल से संपर्क किया। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 1942 में किसानों की अपनी सहकारी संस्था स्थापित करने की दिशा में पहल शुरू हुई।

उन्होंने बताया कि अमूल के संस्थापक अध्यक्ष त्रिभुवनदास पटेल और मोरारजी देसाई ने किसानों को संगठित किया। डेयरी की स्थापना के समर्थन में किसानों ने करीब 15 दिनों तक दूध की हड़ताल की। इसके बाद अंतत: किसानों को अपनी सहकारी डेयरी स्थापित करने का मार्ग मिला। इसी आंदोलन के परिणामस्वरूप 14 दिसंबर 1946 को कैरा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड का पंजीकरण हुआ।

# ट्रंप की धमकी के बाद ईरान की चेतावनी, कहा- खाड़ी देशों में पुलों पर हमला करेंगे

वाशिंगटन/(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के बिजली संयंत्रों को उड़ाने की धमकी दी है, जिसके बाद तेहरान ने भी वाशिंगटन को चेतावनी दी।

वरिष्ठ ईरानी सैन्य अधिकारी ने बताया कि अगर अमेरिकी किसी ईरानी पुल या बिजली संयंत्र को निशाना बनाते हैं, तो ईरान पूरे खाड़ी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और पुलों पर हमला करके जवाब देगा। उन्होंने बताया कि उन ऊर्जा सुविधाओं को भी निशाना बनाया जाएगा, जो अमेरिका के हित हैं।

अधिकारी ने कहा कि पिछले 10 दिनों के बाद अमेरिकियों को पूरी तरह से आश्वस्त हो जाना चाहिए कि ईरान जहां चाहे वहां हमला करता है, इसलिए, ट्रंप ऐसा कोई कदम न उठाएं, जिसके लिए उन्हें शर्मिंदगी का सामना करना पड़े।

अधिकारी ने आगे कहा कि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता का प्रयोग करना जारी रखेगा और जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने के अपने दृढ़ संकल्प को नहीं छोड़ेगा। सूत्रों ने सैन्य अधिकारी का पद और नाम नहीं

बताया है।

ट्रंप ने एक दिन पहले सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा था कि अब से, जब भी ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य उपकरण या हथियार से हमला करेगा, तो अमेरिका एक पुल या पावर प्लांट पर बमबारी करके उसे नष्ट कर देगा।

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि इसमें राजधानी तेहरान में या उसके पास स्थित पुल या पावर प्लांट भी शामिल होंगे।

अमेरिका और ईरान के झगड़े के बीच होर्मुज में तनाव बढ़ता दिख रहा है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स आईआरजीसी ने दावा किया कि उन्होंने होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे 3 तेल टैंकरों को रोका, जिनमें से एक में विस्फोट हुआ, जबकि अन्य 2 वापस लौट गए।

दूसरी तरफ, अमेरिकी सेना ने 12वीं रात ईरानी बंदरगाह और उनके सैन्य ठिकानों पर हमले जारी रखे। बुधवार को पश्चिमी ईरान में अहवाज़, रामशीर और अंदीमेशक के पास धमाके हुए।

## अमेरिकी सेना ने ईरानी मिलिट्री ठिकानों पर नए हमले शुरू किएः सेंटकॉम

फ्लोरिडा,(आरएनएस)। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने तेहरान के हमले करने की काबिलियत को कमजोर करने के लिए ईरानी मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का एक नया दौर शुरू किया.एक्स पर एक पोस्ट में विस्तृत जानकारी शेयर करते हुए उसने कहा कि मिशन ईरान की आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों को धमकाने की काबिलियत को कम करना जारी रखेगा. सेंटकॉम ने एक्स पर कहा, आज शाम 5:30 बजे अमेरिकी सेना ने कमांडर इन चीफ के कहने पर ईरानी मिलिट्री ठिकानों पर और हमले शुरू किए. मिशन ईरान की आम नाविकों और इलाके के पानी में आने-जाने वाले कमर्शियल जहाजों को धमकाने की काबिलियत को और कम करना जारी रखेगा.हमलों का यह नया दौर तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया में कहा कि ईरान को बहुत ज़्यादा नुकसान हो रहा है और ईरान के साथ युद्ध को झड़प बताया और दावा किया कि तेहरान एक डील करना चाहता है.ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ हमारी जो यह झड़प है, और मैं इसे ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मैं आपको बता दूँ कि उन्हें बहुत ज़्यादा नुकसान हो रहा है, और वे एक डील करना चाहते हैं लेकिन मैं कहता हूँ कि वे डील करने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि हर बार जब वे कोई डील करते हैं तो वे उसे और सब कुछ बदलना चाहते हैं. वे तैयार नहीं हैं. वे बहुत जल्द तैयार हो जाएँगे.इससे पहले बुधवार को ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की अमेरिका की धमकियों के बीच विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि ईरान के खिलाफ किसी भी हमले का जिसमें देश के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला भी शामिल है, कड़ा जवाब दिया जाएगा और इसमें शामिल लोगों को भी सही टारगेट माना जाएगा.

## विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पापुआ न्यू गिनी, ब्रुनेई के विदेश मंत्रियों के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

मनीला(आरएनएस)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को मनीला में आसियान रीजनल फोरम (एआरएफ) के मौके पर पापुआ न्यू गिनी और ब्रुनेई के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और प्रमुख क्षेत्रों में जुड़ाव बढ़ाने पर चर्चा हुई। पापुआ न्यू गिनी के विदेश मंत्री

जस्टिन डब्ल्यू. तकाचेंको के साथ अपनी मीटिंग के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश की विकास प्राथमिकता के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा को समर्थन करने के लिए भारत की तैयारी पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने फोरम फॉर भारत-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) के जरिए आपसी सहयोग को गहरा करने पर भी चर्चा की।

बैठक की जानकारी साझा करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मनीला, फिलीपींस, आसियान में पापुआ न्यू गिनी के विदेश मंत्री जस्टिन डब्ल्यू. टकाचेंको से मिलकर खुशी हुई। फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन के जरिए द्विपक्षीय सहयोग के बारे में बात की। भारत पैसिफिक आइलैंड देशों के विकास और कैपेसिटी बिल्डिंग प्राथमिकता के लिए उनके साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है, साथ ही उनकी समुद्री सुरक्षा को भी समर्थन करेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के विदेश मंत्री अब्दुल मतीन से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने नई तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर बात की और आसियान के जरिए जुड़ाव को और मजबूत करते हुए भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए।विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, ब्रुनेई के विदेश मंत्री प्रिंस अब्दुल मतीन के साथ गर्मजोशी से मुलाकात हुई। उन्हें उनकी मौजूदा जिम्मेदारियां संभालने पर बधाई दी। बताया कि एआई, ड्रोन, डिजिटल समेत तेजी से बदलती तकनीक ने जुड़ाव के नए रास्ते खोले हैं। भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के हिसाब से द्विपक्षीय एजेंडा को आगे बढ़ाने और आसियान के तहत हमारे बहुपक्षीय जुड़ाव को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए।

## लाल सागर में हूतियों का बड़ा हमला, दो सऊदी तेल टैंकरों को बनाया निशाना

सना (यमन) (आरएनएस)। यमन के हूती विद्रोही समूह ने गुरुवार को दावा किया कि उसने लाल सागर में दो सऊदी तेल टैंकरों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। समूह का कहना है कि इन जहाजों ने हाल ही में घोषित समुद्री प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। हूती समर्थित अल-मसीरा टीवी पर जारी बयान में सैन्य प्रवक्ता याह्या सरेआ ने कहा कि 'ईएनसीईएलआईए' और 'एलएवाईएलए' नामक तेल टैंकरों को बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन से निशाना बनाया गया। उनके अनुसार, हमले के बाद दोनों टैंकरों में आग लग गई और अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा।हालांकि, हूतियों ने हमले की सटीक जगह, नुकसान या किसी संभावित हताहत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, जबकि सऊदी अरब की ओर से भी इस पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।इस बीच, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने बताया कि उसे सऊदी अरब के अल शुकाइक से लगभग 70 नॉटिकल मील दक्षिण-पश्चिम में एक टैंकर पर हमले की सूचना मिली है। यूकेएमटीओ के अनुसार, जहाज के कप्तान ने बताया कि किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल के टकराने से जहाज में आग लग गई, जिसे चालक दल बुझाने की कोशिश कर रहा था। दो दिन पहले ही हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बंदरगाहों से जुड़े जहाजों पर समुद्री प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाने की घोषणा की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। हूती समूह का कहना है कि यह कदम सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जारी प्रतिबंधों के विरोध में उठाया गया है, जिसके लिए वह सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराता है।गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से हूती विद्रोही इजरायल और अमेरिका से जुड़े होने का आरोप लगाकर कई वाणिज्यिक जहाजों पर मिसाइल, ड्रोन और नौसैनिक हथियारों से हमले कर चुके हैं। इन घटनाओं के कारण कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर के रास्ते से अपने जहाजों का संचालन सीमित कर दिया है। उधर, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच लाल सागर में यह नया हमला क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए नई चुनौती माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पश्चिम एशिया में अस्थिरता और बढ़ सकती है।

## लावरोव और रुबियो की मुलाकात, यूक्रेन संघर्ष के समाधान पर हुई बात

मनीला,(आरएनएस)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को मनीला में आयोजित आसियान मंत्रिस्तरीय बैठकों के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। इस बैठक में यूक्रेन संघर्ष सुलझाने को लेकर मास्को तत्पर दिखा और 'एंकोरेज फॉर्मूले' को लेकर प्रतिबद्धता जताई।

रिपोर्ट के अनुसार, लावरोव ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए मास्को तैयार है और एंकोरेज में हुई सहमति को लेकर प्रतिबद्धता बनाए जताई। उन्होंने रूबियो को युद्ध क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की जानकारी दी और यूक्रेन को आगे हथियारों की आपूर्ति नहीं करने के महत्व पर जोर दिया। रूस के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया गया कि दोनों नेताओं ने रूस और अमेरिका के राजनयिक मिशनों के कामकाज को सामान्य बनाने के मुद्दे पर भी चर्चा की। इसके अलावा पश्चिम एशिया की स्थिति सहित कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, दोनों विदेश मंत्रियों ने इस बात पर सहमति जताई कि विदेश मंत्रालयों के बीच संपर्क जारी रखा जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मंच भी शामिल हैं।

# फीचर

## राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम, कहा- सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों आर्टिकल 370 से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को सबसे बड़ा टीचर बताया। अभिनेत्री ने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।बता दें कि आर्टिकल 370 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने जूनी हक्सर नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव राजेश्वरी स्वामीनाथन की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे। इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है।

## लॉक अप सीजन 2 : लवबर्ड्स कहने पर बढ़ा विवाद, शिल्पा शिंदे पर भड़के हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी

रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में हर दिन नए रिश्ते बनते और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। शो में कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले विवाद लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। इस बार अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे से भिड़ते नजर आए। दरअसल, शिल्पा शिंदे ने उन्हें लवबर्ड्स कहकर पुकारा था। इस टिप्पणी पर दोनों ने कड़ी आपत्ति जताई और देखते ही देखते मामूली बहस तीखी नोकझोंक में बदल गई। पूरे विवाद की शुरुआत जिम मैट को लेकर हुई। हर्षद चोपड़ा जिम मैट ढूंढ रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर जिम मैट नहीं मिल रहा है। इस पर शिल्पा शिंदे ने जवाब दिया कि वह उसी मैट पर सो रही हैं और उसे नहीं देंगी। शिल्पा की इस बात पर हर्षद नाराज हो गए और बोले कि वह बिना मैट के भी सो सकती हैं। इसी दौरान शिल्पा ने तंज कसते हुए हर्षद और शिवांगी को लवबर्ड्स कह दिया। यह सुनते ही माहौल अचानक गर्म हो गया।शिवांगी जोशी ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और पूछा कि आखिर वह उन्हें बार-बार लवबर्ड्स क्यों कह रही हैं। सभी जानते हैं कि हमारे बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता है, इसलिए इस तरह की बातें करना सही नहीं है। अपनी भाषा और सोच पर थोड़ा ध्यान दो।शिवांगी का साथ देते हुए हर्षद चोपड़ा ने भी कहा, मैं सिर्फ उसका दोस्त हूं।इसके बाद उन्होंने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, आपने शायद जिंदगी में कभी सच्ची दोस्ती देखी ही नहीं। आपकी उम्र शादी करने की है और आप इस तरह की अफवाहें फैला रही हैं। शिवांगी ने भी शिल्पा पर पलटवार करते हुए कहा, आपने अपनी जिंदगी में एक भी दोस्त नहीं बनाया। क्या ये जलन है?

इस दौरान शिल्पा लगातार लवबर्ड्स शब्द दोहराती रहीं। इससे हर्षद का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, शिल्पा हर समय यही शब्द दोहराती रहती हैं। वहीं शिवांगी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शिल्पा के दिमाग में गंदगी भरी हुई है और वह हर रिश्ते को उसी नजर से देखती हैं।

इस पूरे मामले पर शो के सीक्रेट रूम से देख रही वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट अपूर्वा मखीजा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दर्शकों को आज फिर हर्षद चोपड़ा का कबीर सिंह वाला रूप देखने को मिल गया।

## मेगास्टार अमिताभ बच्चन को ब्लॉग लिखना पड़ा भारी, अब दे रहे हैं सफाई

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने स्पष्ट किया है कि उनके हालिया ब्लॉग पोस्ट को लोगों ने गलत तरीके से समझ लिया। उन्होंने कहा कि उनकी पोस्ट किसी निजी स्थिति से जुड़ी नहीं थी, बल्कि अर्जेंटीना की हार के बाद फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी के उदाहरण के जरिए एक विचार समझाने का प्रयास था। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, मैं बिल्कुल ठीक हूं। लोगों ने मेरी पोस्ट का गलत मतलब निकाल लिया। उन्होंने आगे लिखा, मैं सिर्फ अपनी बात समझाने के लिए एक उदाहरण दे रहा था। जैसे किसी बड़ी सर्जरी या आईसीयू से बाहर आने के बाद असली चुनौती तब शुरू होती है, जब मरीज घर लौटकर अपनी बदली हुई शारीरिक स्थिति का सामना करता है। उसी तरह, जब कोई चैंपियन हारता है, तो सबसे कठिन समय हार नहीं, बल्कि उसके बाद खुद को संभालना और उस हार को स्वीकार करना होता है।महानायक ने कहा कि इसी बात को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने अर्जेंटीना की हार और लियोनेल मेसी का उदाहरण दिया था, लेकिन लोगों ने यह समझ लिया कि वह अपनी ही स्थिति या किसी व्यक्तिगत हार की बात कर रहे हैं।इससे पहले मंगलवार को अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी कराने, आईसीयू में समय बिताने और घर लौटने के बाद आने वाली शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों का जिक्र किया था।

## प्रीति जिंटा ने सोनम वांगचुक के समर्थन में उठाई आवाज, सरकार से की बातचीत की अपील

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर भी राय रखने के लिए जानी जाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी। प्रीति ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में आवाज उठाते हुए सरकार से उनके साथ बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक की सेहत लगातार खराब हो रही है और ऐसे में किसी समाधान तक पहुंचने के लिए बातचीत जरूरी है। प्रीति जिंटा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की। उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद है कि सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ बातचीत करेगी, ताकि उनकी तबीयत और ज्यादा खराब न हो।

अपने पोस्ट में प्रीति ने सोनम वांगचुक से अपना अनशन खत्म करने की अपील की। उन्होंने लिखा, सोनम, प्लीज अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी इस लड़ाई जितनी ही जरूरी है। अभिनेत्री ने लिखा, सोनम वांगचुक और छात्र भारत के भविष्य और युवाओं के लिए आवाज उठा रहे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और अपग्रेड करने की लड़ाई में मेरा दिल से समर्थन है। आप सभी को और ताकत मिले।दरअसल, सोनम वांगचुक नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में अनशन कर रहे हैं। उनके आंदोलन को लेकर देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। राजधानी दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने मांगों को लेकर आवाज उठाई है। सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर उस समय मामला और ज्यादा चर्चा में आया, जब दिल्ली पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटाया।

## तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है। उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है। यह न केवल हमारी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मन में स्थिरता और एकाग्रता भी लाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पार्श्वकोणासन (विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा) खड़े होकर किए जाने वाले योगासनों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक आसन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह छाती के विकास और साइटिका के दर्द में राहत दिलाता है। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति साइटिका से ज्यादा परेशान है, तो वे सबसे पहले डॉक्टर से सलाह करें। इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें।

## चार युवकों को एक बाइक पर घूमना पड़ा भारी

### यातायात पुलिस ने काटा 4,500 का चालान

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में एक बाइक पर चार सवार होकर सड़क पर चल रहे युवकों के खिलाफयातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। भांठागांव चौक में तैनात प्रधान आरक्षक संतोष चंद्राकर ने चार युवकों को एक दोपहिया वाहन पर सवार देखा, जिसके बाद मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ. अर्चना झा के निर्देश पर संबंधित युवकों को यातायात कार्यालय बुलाया गया।पूछताछ और सत्यापन के बाद वाहन क्रमांक C G 04 LE 9849 के चालक नैतिक गवली (पिता- शंकर गवली, निवासी बैरन, रायपुर) के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 4/181, 5/180, 184 और 128/194(C) के तहत कार्रवाई करते हुए 4,500 का चालान किया गया। कार्रवाई के दौरान चारों युवकों और उनके परिजनों को सार्वजनिक मार्ग पर स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले गंभीर सड़क हादसों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा नहीं करने की सख्त समझाइश दी गई।यातायात पुलिस रायपुर ने आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि सड़क पर स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों का उल्लंघन न करें। ऐसे कृत्य न केवल स्वयं के जीवन को खतरे में डालते हैं, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए सभी नागरिकों से नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया।

## 'मेरा रेशम, मेरा अभिमान (एमआरएमए) 2.0' अभियान का शुभारंभ

कोरबा (आरएनएस)। केन्द्रीय रेशम बोर्ड के 'मेरा रेशम, मेरा अभिमान (एमआरएमए) 2.0' अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन सहायक संचालक रेशम कार्यालय, कोरबा में किया गया। बैठक में सहायक संचालक रेशम, जिला कोरबा बालभद्र सिंह भण्डारी, वैज्ञानिक-डी डॉ. विनोद सिंह, जिले के विभिन्न रेशम केंद्रों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा रेशमकीट पालकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन वैज्ञानिक-डी डॉ. विनोद सिंह ने दिया। उन्होंने केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा संचालित एमआरएमए 2.0 अभियान की रूपरेखा से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा रेशमकीट पालन की नवीन तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के उद्देश्य से आगामी 100 दिनों के दौरान जिले में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवधि में जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर, परिक्षेत्र भ्रमण तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, कोरबा जिले के लिए आगामी पाँच वर्षों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि जिले को रेशमकीट पालन के क्षेत्र में देश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जा सके।इस अवसर पर सहायक संचालक रेशम बालभद्र सिंह भण्डारी ने सभी केंद्र प्रभारियों से एमआरएमए 2.0 अभियान में पूर्ण उत्साह एवं सक्रियता के साथ सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को अभियान से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि तसर एवं शहतूत रेशमकीट पालन से संबंधित आधुनिक तकनीकी जानकारी किसानों तक पहुँचने से उनकी उत्पादन क्षमता और आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बदली अशोक कुमार गुप्ता के घर की तस्वीर

### सोलर पैनल लगने के बाद बिजली बिल से मिली राहत, योजना आमजन के लिए बनी लाभदायक

जशपुरनगर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना का लाभ जिले के आमजन तक पहुंच रहा है। यह योजना लोगों के बिजली खर्च को कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जिले के हितग्राही अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि पहले उनके घर का बिजली बिल काफी अधिक आता था, जिससे हर महीने अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद उनके बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है और अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं रहती। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल सूर्य की किरणों से बिजली का उत्पादन करता है। घर में उपयोग के बाद बची हुई बिजली विद्युत विभाग के ग्रिड में चली जाती है और इसके बदले उन्हें बिजली का लाभ मिलता है। इस व्यवस्था से उनका मासिक बिजली बिल लगभग समाप्त हो गया है। अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि यह योजना आम लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है।

# छत्तीसगढ़ में आषाढ़ में सावन की झड़ी, अगले 48 घंटे भारी बारिश की चेतावनी

### कवर्धा और रायगढ़ समेत कई जिलों में बढ़ा खतरा

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून के सक्रिय होते ही कई इलाकों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में आषाढ़ में सावन की झड़ी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने 23 जुलाई को उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रदेश में अब तक औसतन 381 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जिससे शुरुआती सूखे के बाद स्थिति में बड़ा सुधार आया है।

**काला पानी दर्जनों घरों में जा घुसा**

बारिश के मामले में सारंगढ़-बिलाईगढ़ (613 मिमी) और जांजगीर (575 मिमी) सबसे आगे हैं। अगले 48 घंटों तक प्रदेश भर में मानसून सक्रिय रहेगा और व्यापक वर्षा होने की संभावना है। वहीं रायगढ़ में घुसा काला पानी: वार्ड 37 (दर्री डीपा) में निर्माणाधीन कॉलोनी की बाउंड्रीवाल टूटने से उसमें भरा फ्लाईऐश डस्ट मिश्रित काला पानी दर्जनों घरों में घुस गया। इससे लोगों के सामान और दस्तावेज खराब हो गए। रहवासियों ने अवैध भराव का आरोप लगाते हुए कालोनाइजर पर कार्रवाई की मांग की है।कवर्धा जिले के कुकदुर के लोखान गांव में स्कूल से लौट रहा 8 वर्षीय बालक कमलेश तिलगाम उफनते कपाट नाले को पार करते समय बह गया। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बुधवार सुबह घटना स्थल से 7 किमी दूर उसका शव बरामद हुआ।दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत इस वर्ष छत्तीसगढ़ में अपेक्षाकृत धीमी रही थी। जून के शुरुआती दिनों में सामान्य से कम बारिश होने के कारण खेती और जलाशयों को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि जुलाई के दूसरे पखवाड़े से मानसून ने रफ्तार पकड़ी और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार भारी बारिश का दौर शुरू हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 381 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जिससे शुरुआती बारिश की कमी काफी हद तक पूरी हो गई है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ (613 मिमी) और जांजगीर-चांपा (575 मिमी) सबसे अधिक वर्षा वाले जिलों में शामिल हैं।लगातार बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। नदी-नाले उफान पर हैं, निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है।

# रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराध के मामले दर्ज, ऑनलाइन ठगी से लेकर चोरी और मारपीट तक की घटनाएं

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में 22 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, ऑनलाइन ठगी, मारपीट, धमकी और सड़क हादसे से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुजगहन थाना: ग्राम डुण्डा निवासी एक व्यक्ति से इंस्टाग्राम के जरिए क्रेडिट कार्ड से खाते में रकम ट्रांसफर करने का झांसा देकर 70,500 रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने 24 घंटे में रकम वापस ट्रांसफर करने का भरोसा देकर पैसे प्राप्त किए। शिकायत पर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पुरानी बस्ती थाना: भाठागांव स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास से अज्ञात चोर ने होंडा एक्टिवा मोपेड चोरी कर ली। वाहन की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत मामला दर्ज किया है।इसी थाना क्षेत्र में भाठागांव स्थित देशी शराब दुकान के पास सामान खाली कराने की बात को

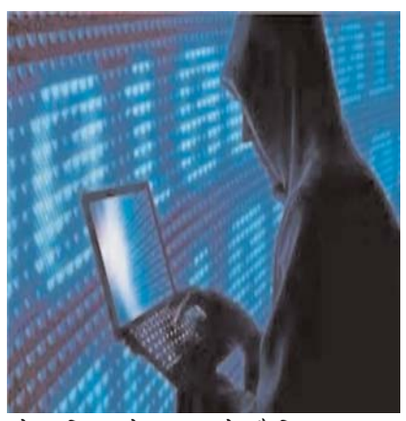

लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि 2-3 अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

तेलीबांधा थाना: रवि ग्राम की गली नंबर-4 में खड़ी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। चोरी गई बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है।

खमतराई थाना: मेटल पार्क रोड रावाभाठा में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अज्ञात वाहन चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पैदल जा रहे 35 वर्षीय हेमंतो भाई को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में जांच के बाद अपराध दर्ज किया गया है।

टिकरापारा थाना: गोकुल नगर शराब दुकान के पास शराब पीने के लिए पैसे मांगने और पैसे नहीं देने पर विवाद हुआ। आरोप है कि मोहम्मद शाहिद और मन्नू यादव ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा बॉल बैट से मारपीट कर युवक को घायल कर दिया।

उरला थाना: बीरगांव के मोती सागर तालाब के पास कर्मचारियों के वेतन बांटने के दौरान पैसे मांगने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि कुणाल ठापा और दीपक मानिकपुरी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा धारदार वस्तु से मारपीट कर चोट पहुंचाई।

## जशपुर में गजरथ यात्रा-2026 का शुभारंभ, हाथी प्रभावित गांवों और स्कूलों में जनजागरूकता अभियान तेज

जशपुरनगर,(आरएनएस)। मानव-हाथी द्वंद की घटनाओं को कम करने और ग्रामीणों व विद्यार्थियों में हाथियों के प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर वनमंडल ने गजरथ यात्रा-2026 की शुरुआत की है। अभियान के तहत वन विभाग की टीमें हाथी प्रभावित संवेदनशील येलो जोन क्षेत्रों में पहुंचकर स्कूलों और गांवों में लोगों को हाथियों के व्यवहार, प्राकृतिक आवास और सुरक्षित सह-अस्तित्व की जानकारी दे रही हैं। वन विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में गजरथ यात्रा के दौरान तपकरा वन परिक्षेत्र के 15 विद्यालयों के 1,542 विद्यार्थियों को हाथियों की जैविक एवं व्यवहारिक विशेषताओं, प्राकृतिक आवास, पारंपरिक भ्रमण मार्ग, भोजन-पानी के स्रोत और झुंड की संरचना सहित मानव-हाथी सह-अस्तित्व के बारे में जानकारी दी गई थी। विद्यार्थियों को हाथियों के विचरण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार के साथ वन विभाग के अलर्ट का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया था। अभियान के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस वर्ष फिर से गजरथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के दौरान विद्यालयों, ग्राम सभाओं, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वन विभाग की टीम आधुनिक ऑडियो-वीडियो माध्यमों, पोस्टर, फ्लेक्स, मॉडल और संवादात्मक प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को समझा रही है कि हाथियों के झुंड के करीब जाना, उन्हें उकसाना या उनके रास्ते में बाधा डालना जानलेवा साबित हो सकता है।

# खेल समाचार

## वैभव सूर्यवंशी टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने

हरारे(ए.)। वैभव सूर्यवंशी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने गुरुवार को 15 साल और 118 दिन की उम्र में जिम्बाब्वे के विरुद्ध हरारे स्पोर्ट्स क्लब में यह कारनामा किया। वैभव ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। इसी के साथ वैभव ने जिब्राल्टर के बल्लेबाज लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2021 में माल्टा के विरुद्ध 16 साल और 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। इस लिस्ट में कविन चड्ढा तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में इंडोनेशिया की तरफ से खेलते हुए 16 साल और 76 दिन की उम्र में स्वीडन के विरुद्ध यह कारनामा किया था।सिएरा लियोन के अलुसीन तुरे इस लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं, जिन्होंने 16 साल और 89 दिन की उम्र में घाना के खिलाफ साल 2023 में अर्धशतक जड़ा था। वहीं, भूटान के तेनजिन रबगी (16 वर्ष 118 दिन) इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में चीन के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया था। पूर्ण-सदस्यीय टीम की तरफ से अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाजों की लिस्ट में अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2019 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध ऐसा किया था। उस समय रहमानुल्लाह 17 साल और 296 दिन की उम्र के थे।वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था, जिसके साथ वह सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर इस मामले में सबसे युवा भारतीय बने थे। 'मास्टर-ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। भारतीय महिलाओं में शेफाली वर्मा (15 साल और 239 दिन) शीर्ष पर हैं। वैभव ने इंग्लैंड दौरे पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसमें 14 रन बना सके। इसके बाद उन्होंने सीरीज के दो अन्य मुकाबलों में 13 और 15 रन जुटाए, लेकिन जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव ने आखिरकार फैंस को अपनी शानदार पारी के साथ झूमने पर मजबूर कर दिया।

### वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप : अनाहत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, डॉयस ये सैन को दी मात

ओंटारियो(ए.)। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को सीधे गेम में हराया। पिछले साल इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली अनाहत ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-4, 11-8 और 11-3 से मात दी। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मिस्र की 5/8 सीड खिलाड़ी हबीबा रिजक से होगा। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में भी कई रोमांचक मैच देखने को मिले। मिस्र की हबीबा रिजक ने अमेरिका की शार्लेट जे को चार गेम के मुकाबले में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराया। मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

## कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत का पहला पदक पक्का, लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया।टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं।

गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

## इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया, सुआरेज बने जीत के नायक

मियामी (ए.)। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की। 26वें मिनट में शिकागो के डिफेंडर जैक इलियट ने बॉक्स के अंदर रुइज को फाउल कर दिया, जिसके बाद इंटर मियामी को पेनल्टी मिली। इस मौके को सुआरेज ने बेहतरीन तरीके से भुनाया और गोल दागते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह इस रेगुलर सीजन में उनका सातवां गोल रहा।दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और 51वें मिनट में सुआरेज ने अपना दूसरा गोल किया। इस गोल में जर्मन बर्टेराम की भी अहम भूमिका रही। बर्टेराम ने शानदार बैकहील असिस्ट देकर सुआरेज के लिए बेहतरीन मौका बनाया, जिसके बाद सुआरेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया।

### बचपन के कोच को कुलदीप की टीम में वापसी का भरोसा

मुम्बई (ए.)। स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल पांडे ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में अवसर नहीं मिलने से कुलदीप निराश नहीं है और उसका मनोबल जरा भी कम नहीं हुआ है। कोच के अनुसार टीम चयन का अधिकार कप्तान और कोच का रहता है और ऐसे में कोई भी खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकता। केवल अपनी ओर से प्रयास भर कर सकता है। कोच के अनुसार कुलदीप बेहद जुझारू हैं और वह टीम में जरुर वापसी करेगा। ये भी कहा देखा गया है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने 104 मैच खेले हैं पर कुलदीप इनमें से केवल 38 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही खेल पाए हैं। इसके बाद से ही गंभीर की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं पर कुलदीप के कोच का कहना है कि टीम चुनना कप्तान और कोच का काम है। पांडे ने स्पष्ट किया, कुलदीप के निराश होने का कोई सवाल ही नहीं है।

# भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत का लक्ष्य है विश्वकप जीतना

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले विश्वकप में जीत दर्ज करना है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम इस बार 51 साल से चले आ रहे विश्व कप के खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे है और उन्हें भरोसा है कि टीम इस बार जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम पिछले 50 साल से ये खिताब नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में विश्कप जीता था। इससे पहले टीम ने 1971 में कांस्य, 1973 में रजत जीता था। मौजूदा टीम का आत्मविश्वास पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। हरमनप्रीत ने बताया कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य जीतने से टीम उत्साहित है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ ओलंपिक पदक नहीं, बल्कि विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचना है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले कुछ समय

में टीम ने विश्व की शीर्ष टीमों को हराकर अपने को साबित किया है। उन्होंने कह कि यह समय आ गया है कि हम प्रशंसकों के लंबे इंतजार को समाप्त करें। हम प्रशंसकों से अपील करते हैं कि वे हमारा समर्थन करते रहें, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे और जीत हासिल करेंगे।भारतीय टीम को विश्वकप के लिए पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी, जिसका लक्ष्य जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करना होगा। कप्तान ने टीम की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में टीम के प्रदर्शन ने काफी आत्मविश्वास दिया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि सत्र में 33 खिलाड़ियों को मौका देकर टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पर बखूबी काम किया है। उन्होंने जोर दिया कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना, गलतियों से बचना और हर मैच में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला पाकिस्तान से भी है। उसके लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि हमने पिछले एक दशक से पाक को हर बार हराया है, इसलिए ये हमारे लिए किसी अन्य मैच की तरह ही होगा। हमारा लक्ष्य पाक ही नहीं सभी टीम पर जीत दर्ज करना है।

### 23 जुलाई 1996 में तत्कालीन युवाओं ने की थी स्थापना

# 30 वर्ष से शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक को प्रतीक्षा है सौंदर्यीकरण की

## अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती पर भाजपा और कांग्रेस ने किया याद

### सत्ता में रहने के बाद भी दोनों दलों ने आजाद चौक के सौंदर्यीकरण पर नहीं दिया ध्यान
### आजाद चौक की दशा को सुधारने में कांग्रेस और भाजपा ने नहीं ली ज्यादा रुचि

**बलराम शर्मा**

नर्मदापुरम। यह अच्छी बात है। अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की 120 वीं जयंती पर ग्वालटोली के शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक पर बारी बारी से भाजपा और कांग्रेस के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने पहुंच कर अमर शहीद को याद किया। दोनों दलों के नेताओं ने चंद्रशेखर आज़ाद की राष्ट्र भक्ति त्याग, बलिदान, राष्ट्रप्रेम और अदम्य साहस को याद करते हुए उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया।

उस समय की कुछ पुरानी यादें ताजा हो गई। उस समय के युवाओं ने 23 जुलाई 1996 में आजाद चौक की स्थापना पूरे उत्साह और उमंग के साथ की थी। जिनमें प्रमुख रूप से तुकाराम यादवेश, राजू मालवीय, श्रीकृष्ण यादव व अन्य अनेक युवाओं ने तन मन और धन से और पूरे मन से अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद को याद किया था। एक सिला पर पेंटर से शहीद चंद्रशेखर आजाद का चित्र बनवा कर पूरी श्रद्धाभाव से याद किया था। सिर्फ एक बार नहीं हर बार उनकी जयंती पुण्य तिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करना नहीं भूलते। अनेक बार राष्ट्रीय पर्व पर भी उस स्थान पर राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत आयोजन अल्प आय वाले मन से धनी युवाओं के द्वारा आपस में चंदा करके कार्यक्रम आयोजित करते रहे। कुछ समय बाद युवाओं के जोश उत्साह और उमंग को देखकर यहां पर अतिथि के रूप में अनेक गणमान्य नागरिकों का आगमन होने लगा। उनका भी कुछ योगदान होने लगा। उस समय कांग्रेस सत्ता में थी। जिस प्रकार इस समय भाजपा की त्रिपल इंजन की सरकार है। उस समय मंत्री विधायक नगर पालिका में प्राय: सभी नेता कांग्रेस के हुआ करते थे। उनका यहां से आना जाना लगा रहता था। लेकिन आजाद चौक के सौंदर्यीकरण या वहां पर अच्छी से प्रतिमा की स्थापना करने में कोई रूचि नहीं ली। बाद में भाजपा की सरकार आ गई हालात में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। सिला पर ही चंद्रशेखकर आजाद दिख रहे हैं। उनकी मूर्ति लगाई जा सकती थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। क्योंकि दोनों ही दल ने इच्छा शक्ति नहीं दिखाई।

## मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने की जनसुनवाई

**'जल भराव की समस्या से मिली निजात, घूड़ा होगा साफ, दिवाल पर होगी मनभावन चित्रकारी'**

नर्मदापुरम् (निप्र)। मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने गुरूवार को जनसुनवाई की। जिसमें नागरिकों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया। विगत गुरूवार जनसुनवाई के दौरान आई समस्या का समाधान किए जाने पर नागरिकों ने नपाध्यक्ष और सीएमओ का आभार माना।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में हर गुरूवार को जनसुनवाई की जा रही है। जनसुनवाई के दौरान वार्ड नंबर 21 के नागरिकों द्वारा नाली डेमेज होने से जल भराव की समस्या से अवगत कराया गया। सीएम श्री देशमुख द्वारा तत्काल उपयंत्री को समाधान करने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड क्रमांक 31 के निवासी द्वारा पीएम आवास की राशि संबंधी की गई शिकायत का समाधान किया गया। वार्ड क्रमांक 30 में बने घूड़े को साफ कर मनभावन चित्रकारी की जाएगी। साथ ही बैंच भी रखवाई जाएगी। जिससे घूड़ा पूरी तरह से मिट जाए। राशन कार्ड समर्पण, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने आदि आवेदन आए। जिनका समाधान किया गया। जनसुनवाई के दौरान उपयंत्री दीक्षा तिवारी, आयुषी रिछारिया, रीना गुप्ता, मुकेश जैन, पार्षद रेखा यादव, बिंदिया मांझी आदि उपस्थित रहे।

## नवोदय विद्यालय में नशे से दूरी जरुरी अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ

नर्मदापुरम। इटारसी। युवा पीढ़ी को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों से बचाने तथा उन्हें एक स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से नर्मदापुरम स्थित पीएम श्री विद्यालय नवोदय पवारखेड़ा में नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष रूप से शिरकत कर छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

### अधिकारियों ने दिया सफलता का मंत्र और दिलाई सामूहिक शपथ

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे की लत से होने वाले शारीरिक मानसिक आर्थिक और सामाजिक नुकसान के प्रति गहराई से जागरूक किया। उन्होंने छात्रों को वर्तमान समय में बढ़ रहे व्यास नशे की हानिकारक प्रवृत्तियों से पूर्णत: दूर रहकर केवल अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को आजीवन नशे से दूर रहने और अपने आसपास के समाज को भी इसके खिलाफ जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस आयोजन में पुलिस विभाग की ओर से नर्मदापुरम रेंज के पुलिस महानिरीक्षक चंद्रशेखर सोलंकी ;आईपीएस पुलिस उपमहानिरीक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह, नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन और रक्षित निरीक्षक सुश्री स्नेहा चंदेल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विद्यालय परिवार की ओर से संस्था की प्राचार्य श्रीमती सविता पाठक एवं उप.प्राचार्य श्रीमती काव्या दुबे भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। संचालन विद्यालय की शिक्षिकाओं श्रीमती पूनम मिश्रा श्रीमती नवनिता गोहा और श्रीमती माधुरी शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

## आज़ाद के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प, भाजयुमो ने मनाया आज़ाद प्रेरणा पर्व

नर्मदापुरम (निप्र)। अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की 120 वीं जयंती पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आज़ाद प्रेरणा पर्व मनाया गया। आज़ाद चौक पर चंद्रशेखर आज़ाद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ आज़ाद के सपनों के अनुरूप राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प भी लिया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि चंद्रशेखर आज़ाद केवल एक महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि भारत के युवाओं के लिए साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमिट प्रेरणा हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी ने कहा कि चंद्रशेखर आज़ाद का अद्वितीय बलिदान भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षण तक अंग्रेजों के सामने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया और स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसे महापुरुषों का जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणास्रोत है। संचालन भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल ने किया एवं सभी का आभार ऋषभ शुक्ला ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत प्रशांत दीक्षित अमित महालहा नंदकिशोर यादव राम नवलानी पार्षद रेखा यादव नरेंद्र पटेल मनीष परदेशी अजय रतनानी प्रशांत पालीवाल चंदन शाह धनराज यादव देवू यादव दीपू हेमनानी नितिन यादव दुर्गेश मिश्रा पंकज खत्री जसबीर सिंह अमन चुटीले सुमित मीणा सागर संतोरे सुरेंद्र चौहान विवेक मीणा हर्ष सराठे ऋतिक मालवीय कपिल वर्मा मोनू ठाकुर राम सगर चंदन यादव जसमीत सिंह, मयंक गौर सहित भाजपा पदाधिकारीगण एवं भाजयुमो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

## दुश्मन की गोलियों का सामना हम करेंगे हम आजाद थे आजाद रहेंगे-कपिल यादव

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर कांग्रेस के सुभाषचंद्र बोष मंडलम द्वारा शहीद चंद्रशेखर आजाद जयंती ग्वालटोली में चंद्रशेखर आजाद चौक पर मंडलम अध्यक्ष तुकाराम यादव के नेतृत्व में पूर्व वर्षों की भांति महान क्रांतीकारी चंद्रशेखर आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। इस अवसर पर युवा नेता कपिल यादव ने कहा दुश्मन की गोलियों का सामना हम करेंगे हम आजाद थे आजाद रहेंगे के नारे को हम जीवन में भी उतारें। कार्यक्रम में नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष अनोखी राजोरिया पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी फैजान उल हक कुलदीप राठौर अमित खत्री सूरज तिवारी बालचंद पटेल लखनलाल यादव आयुष्मान अवस्थी गोरी राजू मालवीय संतोष कामले अशोक प्रजापति भगीरथ मासाब गणेश यादव अलमास उमा यादव गणेश यादव सहित आजाद युवा प्रकोष्ठ के अन्य सभी सदस्य और ग्वालटोली के नागरिक भी मौजूद रहे। सभी ने चंद्रशेखर आजाद अमर रहे के नारे लगाते हुए युवाओं में जोश भरा।

## आस्था से सेवा तकः नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान का शुभारंभ, नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर लगाए जाएंगे 51 हजार पौधे

### दादा गुरु एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने किया अभियान का शुभारंभ, परिक्रमावासियों के लिए बेहतर सुविधाएं और हरित कॉरिडोर होगा विकसित

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले की जीवनदायिनी मां नर्मदा के संरक्षण, नर्मदा परिक्रमा क्षेत्र के पारिस्थितिक तंत्र को सुदृढ़ बनाने तथा परिक्रमावासियों की यात्रा को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को दादा गुरु एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान का शुभारंभ किया। आस्था से सेवा की ओर, सेवा से स्वच्छ और समृद्ध परिक्रमा की ओर थीम पर आधारित यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता और आध्यात्मिक मूल्यों का समन्वित प्रयास है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य मां नर्मदा के पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण करते हुए नर्मदा परिक्रमा पथ को हरित, सुरक्षित और सुविधायुक्त बनाना है, जिससे परिक्रमावासियों को बेहतर वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत नर्मदा परिक्रमा मार्ग के दोनों ओर कुल 51,700 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा। इनमें आम, नीम, पीपल, बरगद, आंवला, जामुन, बेलपत्र, कटहल, अर्जुन, करंज, महुआ, शीशम, बांस, हर्रा, बेहड़ा, इमली, कचनार, अमलताश सहित अनेक देशी प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। इस वृक्षारोपण से हरित कॉरिडोर का निर्माण होगा, जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा तथा मृदा एवं जल संरक्षण को भी बल मिलेगा। कलेक्टरश्री मिश्रा ने कहा कि अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि परिक्रमावासियों के लिए भोजन, आवास, विश्राम, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा एवं प्राथमिक उपचार जैसी आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर परिक्रमा मार्ग को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि अभियान का आध्यात्मिक उद्देश्य नर्मदा परिक्रमा की प्राचीन परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करना तथा नर सेवा ही नारायण सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

## स्वर स्मृतियां और मुकेश जब एक शाम सादगी के उस अमर जादूगर के नाम हुई

### कुछ लोग चले जाते हैं, लेकिन उनकी आवाज़ वक्त के पन्नों पर हमेशा के लिए ठहर जाती है

इटारसी। कुछ लोग चले जाते हैंए लेकिन उनकी आवाज़ वक्त के पन्नों पर हमेशा के लिए ठहर जाती है। हिंदी सिनेमा के अमर पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर की जयंती पर कुछ ऐसा ही रूहानी मंज़र शहर में देखने को मिला। अवसर था मिले सुर मेरा तुम्हारा ग्रुप द्वारा आयोजित एक खास संगीत संध्या का। ग्रुप के सदस्य चंद्रेश मालवीय के आशियाने पर सजी यह महफ़िल महज़ गानों का संकलन नहीं थी, बल्कि मुकेश जी के गाए उस हर जज़्बात को जीने की एक कोशिश थी, जिसमें दर्द भी हसीन लगता है और मोहब्बत भी सादगी से मुस्कुराती है।

### सुरों का सफर गीतों की रूहानी भावांजलि

जैसे-जैसे शाम ढलती गई सुरों का कारवां जिन्दगी के अलग-अलग रंगों को छूता हुआ आगे बढ़ा। महफ़िल का आगाज़ करते हुए सुनील पहुरकर ने मुझे तुमसे कुछ भी न चाहिए गाकर स्वार्थहीन प्रेम की नींव रखी तो वहीं अशोक तिवारी के सारंगा तेरी याद में, छेड़ते ही फिज़ा में विरह का एक मीठा सा दर्द घुल गया। इसके बाद मनोज तिवारी ने किस बात की तौबा से महफ़िल में हल्की सी नज़ाकत बिखेरी और अखिल दुबे ने जब ओ महबूबा के बोल साधे तो हर दिल झूम उठा। परंपरा और आधुनिकता के खूबसूरत संगम के रूप में उदीयमान गायिका अग्रिमा राजपूत ने मुकेशके मूल दर्शन ष्किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार, को अपनी आवाज़ देकर इंसानियत का पैगाम दोहराया, वहीं पूजा राजपूत ने फूल तुम्हें भेजा है खत में गाकर पुराने दौर की मासूम मोहब्बत की यादें ताज़ा कर दीं। भावनाओं के इस समंदर में अनुराग दीवान के जो तुमको हो पसंद ने समर्पण के भाव को उभारा, तो अंकिता श्रीवास्तव ने जाऊं कहां बता ए दिल के ज़रिए मन की उथल-पुथल को आवाज़ दी। पंकज गुप्ता'की आवाज़ में जब कहीं दूर जब दिन ढल जाए गूंजा तो महफ़िल में मौजूद हर शख्स कुछ देर के लिए अपने अतीत के पन्नों में खो गया। शाम को आगे बढ़ाते हुए रोहित नागे के चांद आहें भरेगा ने हुस्न और संगीत के रिश्ते को बयां किया, चंद्रेश मालवीय ने राम करे ऐसा हो जाए, गाकर उम्मीदों का दीया जलाया और आशु मालवीय ने चंदन सा बदन, के सुरों से पूरी फिज़ा को सुवासित कर दिया।

अंत में प्रदीप मालवीय ने सब कुछ सीखा हमने के साथ संगीत को जिन्दगी की सबसे बड़ी सीख मानते हुए इस संगीतमय यात्रा को पूर्णता दी।

### सहयोग की मिसाल

संगीत के इस रूहानी अनुष्ठान को सफल बनाने में जुगल किशोर शर्मा, बालकृष्ण मालवीय, आशीष चौधरी, मुकेश ठोमरे, वीरेंद्र मालवीय और विनोद कुशवाह का विशेष योगदान रहा। यह शाम सिर्फ मुकेश जी के जन्मदिन का उत्सव नहीं थी बल्कि इस बात का प्रमाण थी कि जब दिल से गाए हुए सुर आपस में मिलते हैंए तो नश्वर शरीर भले ही चला जाए आवाज़ हमेशा अमर रह जाती है।

## जनभागीदारी से संवरेगी सरकारी स्कूलों की तस्वीर, विद्यार्थियों को मिलेगी स्कूलों में और बेहतर व्यवस्था

### हर बच्चे को सम्मानजनक एवं सुविधाजनक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने की अभिनव पहल

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को सम्मानजनक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट-ज्ञानार्पण का शुभारंभ गुरुवार को दादा गुरु महाराज के करकमलों से किया गया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की दूरदर्शी सोच एवं शिक्षा के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के अनुरूप प्रारंभ की गई यह पहल शासकीय विद्यालयों में बेंच-डेस्क वितरण अभियान के माध्यम से जनभागीदारी से प्राथमिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि प्रोजेक्ट-ज्ञानार्पण का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आरामदायक एवं अनुकूल बैठने की व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं गरिमापूर्ण शिक्षण वातावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस अभियान से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा, फर्श पर बैठकर अध्ययन करने की व्यवस्था समाप्त होगी तथा विद्यालयों में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं प्रेरणादायी वातावरण विकसित होगा। अभियान की मुख्य बात यह रही कि अभियान के शुभारंभ अवसर पर ही अभियान की सफलता सुनिश्चित होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान नर्मदापुरम जिले के औद्योगिक क्षेत्र मोहासा की औद्योगिक इकाइयों के उद्योगपतियों एवं दादा गुरु महाराज द्वारा नर्मदा मिशन के माध्यम से जिले के स्कूलों में संयुक्त रूप से फर्नीचर उपलब्ध किए जाने की बात कही गई।

## जिला प्रबंधक, लोक सेवा आनंद झेरवार ने किया इटारसी और केसला लोक सेवा केंद्रों का औचक निरीक्षण

### साफ-सफाई और ऑनलाइन प्रक्रिया पर दिए कड़े निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। सुशासन और पारदर्शी सेवा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन आनंद झेरवार ने गुरूवार को इटारसी और केसला स्थित लोक सेवा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।श्री झेरवार द्वारा लोक सेवा केंद्र इटारसी के निरीक्षण के दौरान केंद्र की समग्र व्यवस्था और लंबित आवेदनों की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ आवेदनों के ऑनलाइन प्रिंट पर आवेदक के हस्ताक्षर नहीं थे। इस पर श्री झेरवार ने ऑपरेटरों को निर्देश दिए कि सभी ऑनलाइन भरे गए आवेदनों में आवेदक के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से लिए जाएं और शत प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा केंद्र और शौचालय में साफ-सफाई और बेहतर रखने, सभी ऑपरेटरों के यूनिफॉर्म में समय पर उपस्थित रहने, उपस्थिति रजिस्टर को पूर्ण रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदक को आवेदन की पावती देना अनिवार्य है और भरे गए सभी आवेदन अगले कार्य दिवस तक संबंधित कार्यालयों में भेजे जाएं। CCTV कैमरे की रिकॉर्डिंग का विधिवत संधारण कर मांग पर उपलब्ध कराने को भी कहा गया। लोक सेवा केंद्र केसला में सेवावार संधारित रजिस्टरों और आवेदनों की जांच की गई। यहां भी आवेदन की हार्डकॉपी अगले दिन संबंधित कार्यालयों में भेजने, ऑनलाइन आवेदन और पावती का प्रिंट साफ-सुथरा निकलने के निर्देश दिए गए। श्री झेरवार ने दोनों केंद्रों में सभी सेवाओं की सूची और आवेदन शुल्क की जानकारी डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करने, प्रत्येक आवेदक को पावती देने और ऑपरेटरों को आवेदकों से विनम्र एवं शालीन व्यवहार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी केंद्रों पर निर्धारित स्टाफ, पेयजल, बैठक व्यवस्था, इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, फर्नीचर और प्रचार-प्रसार सामग्री उपलब्ध हो और उनका सुचारू संचालन हो।

*स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com*